संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

# दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-14 ◆अंक-173 ◆ रायपुर, मंगलवार 21 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

दैनिक दैनन्दिनी. DNX Rate Card

Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call:- 9630054047 / 8435751548 70006464420

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

| Ad Duration & Daily Impressions | 1 Month | 3 Months | 6 Months 20% off | 1 Year 35% Off |
|---|---|---|---|---|
| 20 second / 100 Daily | ₹ 20,000/- | ₹ 50,000/- | ₹ 80,000/- | ₹ 130,000/- |
| 30 second / 100 Daily | ₹25,000/- | ₹ 60,000/- | ₹ 98,000/- | ₹ 156,000/- |
| 45 second / 100 Daily | ₹ 36,000/- | ₹ 90,000/- | ₹ 144,000/- | ₹ 234,000/- |
| 60 second / 100 Daily | ₹45,000/- | ₹ 120,000/- | ₹ 192 ,000/- | ₹ 312,000/- |

Poster Ad.

| Ad Duration & Daily Impressions | 1 Day | 3 Day | 1 Week | 15 Days |
|---|---|---|---|---|
| 20 second / 150 Daily | ₹ 10,000/- | ₹ 20,000/- | ₹ 35,000/- | 60,000/- |
| 30 second / 150 Daily | ₹12500/- | ₹ 25,000/- | ₹ 45,000/- | 75,000/- |
| 45 second / 150 Daily | ₹ 17500/- | ₹ 35,000/- | ₹ 60000/- | 90,000/- |

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

## आज का पंचांग

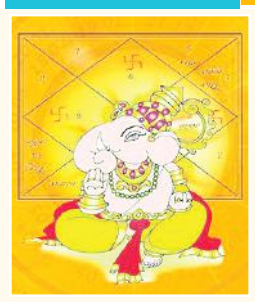

तिथि : नवमी
नक्षत्र : शतभिषा
प्रथम : करण
द्वितिय : करण
पक्ष : शुक्ल
वार : मंगलवार
योग : व्याघात
सूर्योदय :06:51
सूर्यास्त :17:21
चंद्रमाः कुंभ
राहुकाल :14:43-16:02
विक्रमी संवत् : 2080
शक सम्वत् :1944
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : 11:45-12:27

### एक्जिट पोल पर 30 नवम्बर तक प्रतिबंध

**अम्बिकापुर।** निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव अंतर्गत 7 से 30 नवम्बर तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन, प्रचार व किसी भी अन्य तरीके से उसके प्रचार-प्रसार पर प्रतिबंध लगाया है।

निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना प्रकाशित की है, जिसमें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत (एग्जिट पोल) सर्वेक्षण नहीं करेगा और राज्य के किसी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल व किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

### मतगणना के लिए प्रशिक्षण 23 को

**जशपुरनगर।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार समस्त जिलों के अधिकारियों-कमर्चारियों को विधानसभा समान्य निर्वाचन 2023 के मतगणना का विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। जशपुर, रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के लिए 23 नवम्बर को प्रातः 10.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष रायगढ़ में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना के संबंध में नोडल अधिकारी मैनपॉवर मैनेजमेंट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सर्व रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रति विधान सभा 05-05, प्रत्येक विधान सभा हेतु 2 मास्टर ट्रेनर एवं टेबुलेशन प्रभार अधिकारी, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलट, सहित रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कुल 110 प्रशिक्षणार्थियों हेतु मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम रायगढ़ के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्धारित है।

### चौक-चौराहों पर चुनाव की चर्चा जारी

# मतदान के बाद जीत-हार के दावे

**रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ का विधानसभा चुनाव खत्म हो गया हैं, लेकिन अभी भी चुनाव को लेकर चर्चा और चकल्लस का दौर जारी है. चुनाव होने के बाद हार-जीत को लेकर सूरजपुर शहर में सटोरिए भी सक्रिय हो गए हैं. विधानसभा मतदान के बाद अब जीत-हार के कयास लगने शुरू हो गए हैं और इसके साथ ही प्रत्याशियों पर दांव भी लगने लगे हैं. चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार व राजनीतिक दल अपने समर्थकों से क्षेत्रवार मतदान व वोटों के आंकड़ों को जुटाने में लग गए हैं, तो कहीं धोखे व पाला बदलने की भी खबरें सामने आ रही है.

होटल, पान दुकान, सार्वजनिक चौक- चौराहों, चाय की टपरियों में अब पार्टियों के कार्यकर्ता के साथ-साथ चुनाव में दिलचस्पी रखने वाले लोग भी अपने-अपने आंकड़े बताकर जीत का दावा-प्रतिदावा कर रहे हैं. जीत-हार के दावों के बीच अब कोई शर्त लगाने की भी चुनौती दे रहा है. एक ओर कांग्रेस के समर्थक जीत के आंकड़े गिना रहे हैं तो दूसरी ओर बीजेपी के समर्थक केंद्र सरकार की योजनाओं के बल पर जीत के लिए आश्वस्त हैं. सूरजपुर जिले की प्रेमनगर, भटगांव व प्रतापपुर विधानसभाओं में सर्वाधिक कयास प्रेमनगर व भटगांव विधानसभा सीटों के लिए लगाये जा रहे हैं. हालांकि मुख्य मुकाबला कांग्रेस व बीजेपी के बीच होने से दोनों ही दल के समर्थक अपनी-अपनी जीत का भी दावा करने लगे हैं.

मतदान के तीसरे दिन हालांकि सभी की जुबां पर चुनाव की चर्चा है. कौन जीतेगा, कौन हारेगा और कौन रहेगा दूसरे नम्बर पर, किसका दबदबा रहेगा तथा जीत-हार में कितना अंतर होगा. प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी तथा किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी, इस पर भी सटोरिए मोल-भाव कर रहे हैं. सटोरियों के द्वारा लाखों का दांव स्थानीय प्रत्याशियों की हार-जीत पर नहीं, बल्कि प्रदेश में सरकार बनने और किस पार्टी की कितनी सीटें आ रही हैं इस पर लग रहा है. शांतिपूर्ण संपन्न हुए चुनाव के बाद अब सभी के जुबान में हार-जीत की समीक्षा का दौर तेजी से शुरू हो गया है. वहीं राजनीतिक पंडित भी अपना गुणा-भाग कर चुनावों के परिणाम निकालने लगे हैं और जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा, इस पर भी हर घंटे लोगों के दावे बदलने लगे हैं. दूसरी ओर मतदाताओं की चुप्पी ने भी प्रत्याशियों व राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया है.

**भारी मतदान से बिगड़े समीकरण**

विधानसभा चुनाव में भारी मतदान से राजनीतिक गलियारों की चर्चाएं तो गर्म है हीं, वहीं जोड़-घटाओ लगाने वाले राजनीतिक पंडित भी पेशो पेश में हैं. हालांकि राजनीति का यह ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो तीन दिसम्बर को ही पता चलेगा, लेकिन इतना तय है कि 80 प्रतिशत से ऊपर हुए मतदान से कईयों के समीकरण बनने बिगड़ने लगे हैं. अपने-अपने दावे व प्रति दावों के बीच दोनों ही राजनीतिक दल भारी मतदान को अपने पक्ष में बता रहे हैं. जहां प्रमुख कांग्रेस पार्टी से सरकार की योजनाओं व विकास कार्यों से जोड़ कर देख रही हैं, तो भाजपा इसे बदलाव का संकेत मान रही है.

## बागियों को बाहर का रास्ता, कांग्रेस ने पूर्व महिला शहर अध्यक्ष समेत 3 नेता को किया निष्कासित

**बस्तर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में बगावत करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी है. पार्टी ने जगदलपुर में अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ गतिविधियों में काम करने के आरोप में तीन कांग्रेसी नेताओं पर कार्रवाई की है. जिसमें पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज, विक्रम शर्मा और कुक्की झारी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है.

बताया जा रहा है कि कांग्रेस के प्रत्याशी जतिन जयसवाल और स्थानीय संगठन के पदाधिकारी ने आला कमान से भीतरघातियों की शिकायत की थी. आला कमान के निर्देश पर जगदलपुर में शहर जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य ने निष्कासन की कार्रवाई करते हुए 3 नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया है.

गौरतलब है कि पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज ने डेढ़ वर्ष पहले अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी. चुनाव के दौरान भी उन्हें मान मनोबल का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी किरण देव का प्रचार किया और इसी को आधार बनाकर कांग्रेस ने निष्कासन की कार्रवाई हुई है. इसके अलावा जगदलपुर में विक्रम शर्मा और कुक्की झारी पर भी पार्टी विरोधी गतिविधि करने पर निष्कासन की कार्रवाई की गई है.

### चुनाव आयोग का चौंकाने वाला खुलासा

# 5 राज्यों में 1760 करोड़ से ज्यादा का सामान, कैश और शराब जब्त

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पांच चुनावी राज्यों में 1,760 करोड़ रुपए से अधिक की मादक पदार्थ, नगदी, शराब और कीमती सामान जब्त की जा चुकी है. यह जानकारी निर्वाचन आयोग ने सोमवार को दी और दावा किया कि यह सभी चीजें मतदाताओं को लुभाने के लिए थीं. आयोग ने बताया कि 9 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से अब तक की गई जब्ती इन राज्यों में 2018 में पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान की गई जब्ती से सात गुना (239.15 करोड़ रुपये) से अधिक है.

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुके हैं, जबकि राजस्थान में 25 और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होंगे.

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया, पांच राज्यों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते समय मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सभी उम्मीदवारों और दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के मद्देनजर प्रलोभन मुक्त चुनाव पर जोर दिया था.

दिलचस्प बात यह है कि चुनाव आयोग के अनुसार, मिजोरम में कोई नकदी या कीमती चीजें जब्त नहीं की गई, लेकिन अधिकारियों ने 29.82 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ बरामद किये. चुनाव आयोग ने विभिन्न सेवाओं के 228 अधिकारियों को व्यय पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात किया है. कड़ी निगरानी के लिए 194 विधानसभा क्षेत्रों को ''व्यय संवेदनशील'' सीटों के रूप में चिह्नित किया गया था. आयोग का मानना है कि जब्ती का यह आकड़ा बढ़ सकता है.

# रायपुर में फिर आमने-सामने होंगे भारत-ऑस्ट्रेलिया

### टी20 : एक दिसंबर को शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में होगा मुकाबला

**रायपुर।** क्रिकेट प्रेमियों के लिए हम अच्छी खबर है। एक बार फिर भारत-ऑस्ट्रेलिया आमने सामने होने वाले हैं और वो भी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में। इस मैच के लिए जिला प्रशासन ने अनुमति दे दी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मेचों की सीरीज 23 नंवबर से शुरू हो रहा है, जिसमें पांच मैचों खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता का एक मैच नागपुर में होना था, लेकिन कुछ कारणों से नागपुर के बजाए अब ये मैच रायपुर में खेला जाएगा। तय शेड्यूल के अनुसार दोनों देशों के बीच ये मैच 1 दिसंबर को खेला जाएगा। बता दें कि रायपुर का स्टेडियम में दर्शक क्षमता लगभग 58,000 है। सीएससीएस का कहना है कि मैच के आयोजन में समय कम है। इसलिए टिकट के रेट भी जल्दी घोषित किए जाएंगे। स्टेडियम में सीटों की गिनती एक-दो दिन में पूरी हो जाएगी। इसके बाद जल्द ही टिकट के रेट तय कर दिए जाएंगे।

# मतगणना के लिए बेरिकेटिंग शुरू

**सारंगढ़-बिलाईगढ़ ।** विधानसभा चुनाव अंतर्गत कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के संयुक्त सहयोग से सारंगढ़ के कृषि उपज मंडी प्रांगण में मतगणना के लिए आवश्यक बेरिकेटिंग शुरू हो गई है। पूर्व में मतदान सामग्री के लिए किए गए बेरिकेटिंग और पंडाल व्यवस्था को हटा लिया गया है। उल्लेखनीय है कि मंडी परिसर में ही जिले के दोनों विधानसभा सारंगढ़ और बिलाईगढ़ की मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

# 3 विश्व कप में महज 4 हार ने तोड़ दिया खिताब का सपना

कहने के लिए भले कहा जाए कि टीम इंडिया ने साल 2011 के बाद से अब तक करीब 12 साल के अंतराल में एक भी विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया। ये बात सच भी नजर आती है, लेकिन अगर असल तस्वीर को देखेंगे तो पता चलेगा कि मामला कुछ और है। ज्यादा पीछे नहीं जाते हैं, साल 2015 के विश्व कप से लेकर अब तक यानी तीन ही विश्व कप की बात की जाए तो भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस तीन विश्व कप में भारतीय टीम केवल चार मुकाबले हारी है, लेकिन बस यही चार हार खिताब से दूरी बनाने के लिए काफी साबित हुए।

भारतीय टीम ने साल 2015 से लेकर साल 2023 के विश्व कप तक जो मुकाबले इस बड़े टूर्नामेंट में खेले हैं, उसमें सबसे ज्यादा विन परसेंट भारतीय टीम का है। यहां तक कि इस दौरान दो बार खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम भी भारत से नीचे है। चलिए जरा आंकड़ों में आपको समझाते हैं। भारत ने साल 2015 से लेकर 2023 तक विश्व कप में कुल 28 मैच खेले हैं और

इसमें से 24 में उसे जीत मिली, वहीं चार में हार का सामना करना पड़ा। ये चार हार भी आप जान लीजिए कि कब कब मिली। साल 2015 के विश्व कप में भारत ने सात मैच जीते, लेकिन सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई और वहीं पर खिताब की रेस भी खत्म हो गई। साल 2019 में भी भारतीय टीम ने सात मैच जीते और केवल दो में ही हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारकर खिताब की उम्मीदों धूल धूसरित हो गईं।

अब बात साल 2023 की करते हैं। इस साल तो भारतीय टीम ने बहुत सारी बाधाएं पार कर ली थीं, जहां इससे पहले फंसते रहे हैं। भारतीय टीम ने लगातार दस मैच जीते, सेमीफाइनल में भी न्यूजीलैंड को मात दी। लेकिन फाइनल में आकर ऑस्ट्रेलिया के हाथों का का सामना करना पड़ा और खिताब जीतने से फिर चूक गई। इसे इत्तेफाक ही कहेंगे कि भारतीय टीम ऐनवक्त पर चोक कर गई और खिताब की उम्मीद फिर से चार साल के लिए टाल दी गई।

ये तो रही भारतीय टीम की बात और आंकड़े, लेकिन चलते चलते आपको ऑस्ट्रेलिया पर भी एक नजर जरूर डालनी चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस तीन विश्व कप के दौरान 29 मैच खेले, उसमें से 23 में जीत और छह में उसे हार मिली। इन चार हार के बाद भी इन तीन में से दो विश्व कप ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने नाम करने में कामयाबी हासिल कर ली है। अगर जरा सी भी किस्मत साथ देती तो इन तीन में से ज्यादा नहीं तो कम से कम दो विश्व कप तो भारत की झोली में आ ही सकते थे, मगर ये हो न सका। अब चार साल का इंतजार कीजिए और फिर से उम्मीदों को जगाने का काम जारी रखिए।

## एक नजर

### प्राकट्य दिवस पर जलाराम बापा की निकली शोभायात्रा

**कोरबा।** श्री जलाराम सेवा समिति द्वारा जलाराम मंदिर में संत श्री जलाराम बापा का जयंती उत्सव 19 नवंबर को धूमधाम से मनाया गया। रविवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में विराजित श्री विग्रहो का अभिषेक किया गया जिसके दाता स्व. निर्मणा बेन जयंती भाई पटेल अग्रसेन मार्ग कोरबा रहे। सुबह 9.30 बजे जलाराम बापा का अभिषेक पूजन, अखंड दीप प्रागट्य किया गया। दोपहर में शोभायात्रा पचाण भाई शामजी भाई पटेल व नानजी भाई शामजी भाई पटेल सीतामढ़ी के निवास स्थान से डीडीएम रोड स्थित जलाराम मंदिर तक निकाली गई। शोभा यात्रा में समाज के लोग झूमते-नाचते रहे और भक्ति गीतों का आनंद भी लिया। इसके पश्चात संयुक्त सभा, वार्षिक आय-व्यय की प्रस्तुति के बाद दाताओं का आभार व्यक्त किया गया। शाम को दैनिक पूजा-आरती पश्चात जलाराम बापा की महाआरती हुई। आरती उपरांत महाप्रसाद भंडारा भी आयोजित हुआ। महाप्रसाद भंडारा के दाता पीयूष भाई नितिन भाई राठौड़ व कल्पेश भाई नितिन भाई राठौड़ थे। शोभा यात्रा सहित सभी आयोजनों में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

### कौशिल्या देवी जायसवाल का दुःखद निधन

**कोरबा ।** कटघोरा के पूर्व विधायक स्व. कृष्णालाल जायसवाल (गुरूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती कौशिल्या देवी जायसवाल, ( अम्मा जी) निवासी गांधी चैक कोरबा का 82 वर्ष की आयु में आज रविवार देर शाम देहावसान हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं एवं उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पुत्र महेन्द्र जायसवाल, सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल पार्षद एवं अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण गजेन्द्र जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल अध्यक्ष पत्रकार सोसायटी कोरबा पौत्र सन्नी जायसवाल सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गई हैं। उनके निधन की खबर से परिजनों सहित शुभचिंतकों एवं बस्तीवासियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। उनकी अंतिम यात्रा आज 20 नवंबर को दोपहर 12 बजे गांधी चैक स्थित निवास स्थान से प्रारंभ होगी एवं स्थानीय मोतीसागर पारा मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

### ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग में पूजा की लखमा ने

**जगदलपुर ।** मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थल के प्रवास पर निकले छत्तीसगढ़ के आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने रविवार को ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने बस्तर तथा छत्तीसगढ़ में सुख, शांति की कामना की, इस दौरान पत्नी साथ रही। उन्होंने शिवालय में दर्शन करने कतार में खड़े लोगों का अभिवादन कर सबकी मनोकामना पूरी होने की भगवान शंकर से प्रार्थना की।

### बिजली बिल जमा करने निकले वृद्ध की तालाब में मिली लाश

**धमतरी-रायपुर।** शहर के हटकेशर वार्ड इलाके से गायब 65 वर्षीय बुर्जुग की लाश मिली है। वृद्ध बिजली बिल जमा करने के नाम से घर से निकला था, इसके बाद अब उसका शव मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वृद्ध की लाश देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. जांच में ये पता चला कि मृतक गोपाल कौशिक 18 नवंबर से ही घर से लापता था.। परिवार वालों के मुताबिक मृतक गोपाल कौशिक की उम्र 65 साल थी। गोपाल घर से यह कहकर निकले थे कि वो बिजली का बिल जमा करने जा रहे हैं। उनके लापता होने की सूचना पुलिस थाने में भी दी गई थी। हटकेशर वार्ड के तालाब से मिली लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है. बिजली बिल जमा करने निकला बुजुर्ग कैसे तालाब तक पहुंचा पुलिस थ्योरी को नहीं समझ पा रही है. पुलिस अब जांच के लिए घरवालों से भी पूछताछ कर रही है. पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से इस मामले की जांच कर रही है।

### छठ घाटों पर व्यवस्था की पल-पल का अपडेट लेते रहे एसपी व कोतवाल

**कोरबा।** पूरे देश में मनाये जाने वाले लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर जिले के विभिन्न छठ घाटों में पर्याप्त पेट्रोलिंग एवं पुलिस तथा रेस्क्यू व्यवस्था करने के साथ ही एसपी जितेंद्र शुक्ला एक ओर जहां पल-पल की खबरों को अपडेट लेते रहे वहीं दूसरी ओर शहर कोतवाल रूपक शर्मा तूफान वैन प्रभारी एएसआई अजय सिंह के नेतृत्व में ठाकुर घाट, पुरानी बस्ती रेत घाट, मुड़ादाई मंदिर तालाब, जेपी कालोनी छठ घाट एवं समस्त छठ घाट स्थलों पर अपने मातहतों के माध्यम से बराबर संपर्क बनाए रखते हुए मोबाइल टू मोबाइल वहां की अपडेट लेते रहे। इसके अलावा वे स्वयं पेट्रोलिंग करते देखे गए।

### कालोनी में सफाई नहीं होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा

**कोरबा।** एसईसीएल कुसमुंडा आदर्श नगर कालोनी में साफ-सफाई ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है। कालोनी के अलावा आसपास के मोहल्लों में भी सफाई व्यवस्था को लेकर कामगारों में आक्रोश है। नालियों की सफाई के अलावा कचरे उठाए नहीं जा रहे हैं। लापरवाही होने के कारण मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है।

# कलेक्टर ने स्थल निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

**बिलासपुर ››दैनन्दिनी.**

विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना 3 दिसम्बर को सवेरे 8 बजे से कोनी स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में शुरू होगी। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा मतगणना के लिए जरूरी तैयारियां शुरू कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अवनीश शरण ने इस सिलसिले में आज स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं अभिकर्ताओं को मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों की पूरी जानकारी दी गई। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी और सभी रिटर्निंग अफसर मौजूद थे। कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं अभिकर्ताओं को स्ट्रांग रूम के नजदीक ठहराने के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ठंड से बचाव के लिए गद्दा, तकिया, परदे, पीने का स्वच्छ पानी सहित अन्य इंतजाम करने कहा है। उनके रूकने के ही स्थान पर टीवी लगाने के निर्देश दिए ताकि वे एक ही जगह से स्ट्रांग रूम सहित अन्य गतिविधियों को देख सके। कलेक्टर ने मतगणना के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित ले आउट के अनुसार ही व्यवस्था करने कहा। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगतार चालू रहें। उन्होंने अब तक लगाए गए सीसीटीवी के अलावा हर दरवाजे पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना स्थल पर मीडिया के लिए भी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# लंबे समय से परेशानी का कारण बने नगर के रेल फाटक

**कोरबा ››दैनन्दिनी.**

लंबे समय से प्रशासन, नगर निगम और रेलवे की ओर से केवल रेल फाटकों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रस्ताव बनाने और सर्वे कराने का काम ही किया जा रहा है। परिणाम अभी भी नजर नहीं आ रहे हैं। यात्री और मालगाडियों के आने-जाने के दौरान दिन भर में अनेक मौकों पर बंद होने वाले फाटक अब हर किसी के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं।

किसी तरह नगर में एकमात्र फ्लाईओवर मुख्य मार्ग पर दो दशक पहले बना जिसकी उपयोगिता अभी बहुत ज्यादा साबित नहीं हो सकी है लेकिन इतना जरूर है कि शहर के भीतर से वाहनों के दबाव को कुछ कम किया गया है। लेकिन वर्तमान में इमलीडुग्गू, संजय नगर और डीएसपीएम चैराहे पर समस्या को हल करने के लिए फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज की जरूरत महसूस की जा रही है। पिछले कुछ वर्षो से लगातार इस तरफन केवल बात हो रही है बल्कि अलग-अलग स्तर पर योजना बनाने के साथ सर्वे भी कराए जा रहे हैं। डीएसपीएम चैराहे की रेलवे क्रासिंग से जुड़ी समस्या और इसके कारण चार दिशाओं में होने वाली जनता की परेशानी को ध्यान में रखते हुए वाय आकार के फ्लाई ओवर के निर्माण का विचार किया गया। नगर निगम लगातार इस दिशा में सर्वे कराने पर भारी भरकम धनराशि खर्च कर रहा है। चुनावी वर्ष से पहले यहां तक प्रचारित किया जा चुका है कि रेलवे और राज्य शासन की भी भागीदारी के साथ फ्लाईओवर को तैयार कराया जाएगा। लोगों को दिखाने के लिए मिट्टी परीक्षण की कार्रवाई भी कर ली गई और इसके माध्यम से यह तय किया गया कि निचली सतह वाकई कितनी मजबूत है और तैयार होने वाली संरचना का भविष्य बेहतर होगा। इसके ठीक उल्टे संजय नगर रेलवे क्रासिंग के मामले में कई प्रकार की तकनीकी उलझने बताई जा रही है। नजदीक से बहने वाली हसदेव बांयी तट नहर के चलते किसी प्रकार के निर्णय नहीं हो सके हैं उल्टे अब क्रासिंग की सडक के पास रेलवे ने ओवरहेड लगाकर इसके दायरे को सकरा कर दिया है। वहीं इमलीडुग्गू रेलवे क्रासिंग से संबंधित समस्या के लिए न तो पहल हुई है और न तो काम। इन सबसे अलग इमलीछापर कुसमुंडा में ओवरब्रिज का काम शुरू कराया गया है।

कोरबा क्षेत्र में ऐसा कोई रास्ता नहीं बचा है जो जाम के चक्कर में हर किसी को परेशान कर रहा है। कोयला और राखड़ ट्रांसपोर्टिंग के अलावा दूसरे वाहनों के चलते इस तरह की समस्याएं हर कहीं पेश आ रही है। कुछ दलों ने चुनाव में इसे मुद्दे के रूप में प्रस्तुत किया।

# क्षतिग्रस्त वैगनों को हटाने का काम शुरू

**कोरबा ››दैनन्दिनी.**

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत एसईसीएल क जूनाडीह साइडिंग पर हुए घटनाक्रम में मालगाड़ी के 4 वैगन डी-रेल होने के साथ क्षतिग्रस्त हो गए। मेकेनिकल डिपार्टमेंट की टीम संसाधन के साथ यहां पहुंची। ट्रैक से उतरे वैगन को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

दीपका क्षेत्र के अंतर्गत यह घटना हुई थी जहां मालगाड़ी के 4 वैगन ट्रैक से उतर गए थे। इस वजह से संबंधित लाइन पर कई घंटे आवाजाही बाधित रही और कोल ट्रांसपोर्टेशन थमा रहा। रेलवे सूत्रों ने बताया कि जिस ट्रैक पर घटना हुई उसके आसपास कोल डस्ट जमा होना इसके लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

नियमित रूप से मौके पर सफाई करने की व्यवस्था कराई गई है और संबंधित कर्मियों को इसके लिए निर्देशित किया गया है। समयबद्ध कार्यक्रम नहीं करने के नतीजन जूनाडीह साइडिंग में काफी हिस्से में ट्रैक के इर्द-गिर्द बड़ी मात्रा में कोल डस्ट की मौजूदगी कायम है। बताया गया कि इस तरह की परिस्थितियों के कारण मालगाड़ी को चलने में असुविधा होती है और स्लरी व डस्ट के संपर्क में आने के साथ मालगाड़ी के पहिए अपनी वास्तविक जगह से डि-लोकेट हो जाते हैं। मालगाड़ी के चार डिब्बों के ट्रैक से उतरने के पीछे इसी प्रकार के हालात जिम्मेदार रहे। घटना के बारे में लोको पायलट के द्वारा अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके साथ आगे जानकारी भिजवाई गई। वक्त की नजाकत को समझते हुए आनन-फानन में मेकेनिकल टीम को संसाधन के साथ जूनाडीह भेजा गया जिसमें प्राथमिक कार्रवाई करते हुए ट्रैक से उतरे वैगनों को वापस पटरी पर लाने की प्रक्रिया तेज की। कहा गया कि अगले कुछ घंटों में इस काम को पूरा लिया जाएगा और स्थिति फिर से सामान्य हो जाएगी।

# ठंड ने दी दस्तक, प्रवासी पक्षी लौटने लगे अपने देश

**कोरबा ››दैनन्दिनी.**

ठंड की दस्तक के साथ ही श्रीलंका सहित कई देशों से आने वाले पक्षियों का प्रवास काल कनकी में पूरा हो चुका है। अब वे अपने बच्चों के साथ मीलों का सफर पूरा कर स्वदेश लौटने लगे हैं। दशकों से यह खास किस्म के पक्षी घोंगिल ओपनबिल्ड स्टार्क जिले के कनकेश्वर धाम को अपने प्रवास का सबसे प्रिय स्थान बना लिया है। वे यहां प्रजनन के लिए आते हैं। पक्षियों का आगमन जून महीने में होता है। यह वह माह होती है जब शिव की आराधना के पवित्र माह सावन की भी शुरूआत होती है। भगवान शिव की आराधना के लिए प्रख्यात कनकेश्वर धाम में पक्षियों का आगमन शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण इन पक्षियों को आस्था से जोड़कर देखते हैं। बरसात की शुरूआत में इनका आगमन होने के करण इन्हें मानसून का सूचक भी माना जाता है। अब ठंड की शुरुआत होते ही पक्षी वापस लौटने लगे हैं। यह अपने घोसले इमली, बरगद ,पीपल,बबूल व बांस के पेड़ों पर बनाते हैं। स्टार्क पक्षी 10 से 20 हजार की संख्या तक अपने घोंसले बनाते हैं। एक पेड़ पर 40 से 50 घोसले हो सकते हैं। प्रत्येक घोसले में चार से पांच अंडे होते हैं। सितंबर के अंत तक इनके चूजे बड़े होकर उड़ने में समर्थ हो जाते हैं। घोसलों का स्थान भी निश्चित होता है। जहां प्रत्येक वर्ष यह जोड़ा उन्ही टहनियों पर घोसला रखता है जहां पूर्व के वर्ष में था। गांव कनकी की जलवायु में प्रवासी पक्षियों को प्रजनन काल के लिए उपयुक्त वातावरण मिलता है। जिसके कारण ही यहां पिछले कई दशकों से यह सिसिला लगातार चलता आ रहा है। मुख्यतौर पर यह पक्षी दक्षिण पूर्व एशिया,श्रीलंका और दक्षिण भारत में भी पाए जाते हैं। पक्षी कीट भक्षी होने के कारण किसानों के सहयोगी हैं। धान की फसल को नुकसान करने वाले कीटों ये चट कर जाते हैं। प्राकृतिक आपदा गाज के कारण हर साल यहां पक्षियों की मौत होती है। इसके अलावा खेतों रासायनिक दवाओं के छिड़काव की वजह से पक्षियों के खतरा बना है। यही वजह है कि प्रवासी पक्षियों की संख्या लगातार कम हो रही है।

# 500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद

**कोरबा ››दैनन्दिनी.**

राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों की इकाइयों में खराबी का सिलसिला जारी है। मड़वा संयंत्र की 500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद करना पड़ा है। इसके पहले की हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम की 210 मेगावाट क्षमता की तीन नंबर इकाई में भी खराबी आई थी, जिसे बंद करने के बाद मेंटेनेंस कार्य किया गया।

इस यूनिट को सुधार कार्य के बाद चालू किया गया, तब उत्पादन शुरू हो सका और वर्तमान में 150 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है। उधर मड़वा संयंत्र की बंद दो नंबर इकाई का भी मेंटेनेंस कार्य चल रहा है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही यूनिट को परिचालन में ले लिया जाएगा। ठंड बढ़ने की वजह से राज्य में बिजली की मांग घट कर पीक अवर्स में 3800 मेगावाट के करीब हो गई है। वहीं उपलब्धता 3986 मेगावाट है। विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीपी से 1340 मेगावाट के स्थान पर 1082, डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र से 500 के स्थान पर 464 मेगावाट, एक हजार मेगावाट के अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा से 426 मेगावाट तथा बांगो जल विद्युत संयंत्र से 120 के स्थान पर 39 मेगावाट बिजली उत्पादित हो रही है।

इस तरह कंपनी से कुल 1992 मेगावाट बिजली रही। जबकि राज्य के सीपीपी व आइपीपी से बिजली लेने पर कुल उपलब्धता 2051 मेगावाट रही। मांग को पूरी करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से अनुबंधित 1747 मेगावाट बिजली ली जा रही है। इससे राज्य में बिजली की स्थिति सरप्लस बनी हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि मड़वा संयंत्र चालू होने व सभी इकाइयों के पूर्ण क्षमता से चालू होने पर भरपूर बिजली राज्य को मिलने लगेगी।

### कांग्रेस ने मनायी पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

**कोरबा।** भारत की पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शिनी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी जी की 106वीं जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर कोरबा में आयोजित की गई। इस मौके पर स्व. इंदिरा जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी के दृढ़ निश्चय, साहसपूर्ण पहल और देशहित में सर्वोच्च त्याग एवं बलिदान के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया 20 सूत्रीय कार्यक्रम का मुख्य ध्येय गरीब वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में सुधार अत्यंत जनहितकारी पहल साबित हुआ।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी जी द्वारा देश की सर्वांगीण उन्नति, विकास, खुशहाली और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए उन आदर्शों की रक्षा के लिए तथा दुनिया में भारत को गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दी। इन्ही आदर्शो पर हमारे गणतंत्र की एकता एवं अखण्डता टिकी हुई है।जिला कांग्रेस के कार्यकारिणी सदस्य रामकृष्ण साहू ने कहा कि विश्व भर में लौह महिला कहलाई जाने वाली, दृढ निश्चय, साहस व अद्भुत क्षमता वाली, भारत की प्रथम व एक मात्र महिला प्रधानमंत्री, श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन, अपनी प्रतिभा व राजनीतिक दृढ़ता के लिए विश्वराजनीति के इतिहास में इंदिरा जी का नाम सदैव याद रखा जाएगा। जिला कांग्रेस कार्यालय महामंत्री एवं प्रवक्ता सुरेश कुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंदिरा गांधी बीसवीं सदी के महानतम नेताओं में से थी।

### स्ट्रांग रूम के मॉनिटरिंग हेतु सौंपा गया अधिकारियों को दायित्व

दुर्ग, 20 नवम्बर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतदान पश्चात् स्ट्रांग रूम श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज जुनवानी, भिलाई में ईव्हीएम/वीवी पैट मशीनों के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से उक्त स्थल में सुरक्षा व्यवस्था निगरानी एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु संयुक्त कलेक्टर दीपक निकुंज मो. 7646910755, 8717833848 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार मतगणना स्थल कंट्रोल रूम में नोडल अधिकारी के सहायक अधिकारी अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के श्रीमती रीना साहू मो. 9981283344, नायब तहसील दुर्ग सुश्री ज्योत्सना वर्मा मो. 9644723855 एवं सहायक कार्यपालन अभियंता श्री शशीकांत वर्मा मो. 7746061880 को 20 से 22 नवम्बर तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे। इसी प्रकार सहायक अधिकारी नायब तहसीलदार दुर्ग ढालसिंह बिसेन मो. 9303285570, अधीक्षक, भू-अभिलेख दुर्ग रजत चौबे, उद्यान विकास अधिकारी मुकेश वासनिक मो. 9926171139 को 23 से 25 नवम्बर 2023 तक तथा सहायक अधिकारी अधीक्षक भू-अभिलेख दुर्ग श्री आदित्य कुंजाम मो. 9981584877, उप अभियंता नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग श्री संदीप पटेल मो. 9907164145 एवं उप अभियंता जल संसाधन विभाग श्री राजेन्द्र कुमार सोनी मो. 9301805200 को 26 से 29 नवम्बर 2023 तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे। इसी तरह नोडल अधिकारी के सहायक अधिकारी नायब तहसीलदार धमधा श्रीमती कविता पटेल मो. 7999587670, सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख दुर्ग श्री आलोक शुक्ला एवं उप अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग श्री बालकिशन साहू मो. 9926753510 को 30 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे। कलेक्टर के आदेशानुसार अधिकारीगण अपनी सहायता के लिए ड्यूटी में सहायक के रूप में एक राजस्व निरीक्षक एवं एक पटवारी की ड्यूटी अपने स्तर से लगा सकते हैं।

### दुर्ग यातायात विभाग ने सड़क दुर्घटनाओं को सहायता देने फास्टेड बॉक्स का वितरण किया

भिलाई नगर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग, राम गोपाल गर्ग के निर्देश पर एवं सतीश ठाकुर सदानंद विंध्यराज उप पुलिस अधीक्षक (यातायात)* के नेतृत्व में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नेशनल हाईवे-53 में सड़क दुर्घटना के दौरान घायल की मदद करने, सड़क जाम

क्लियर करने, सड़कों से मवेशी हटाने, गंभीर मरीज को तत्काल दूसरे अस्पताल ले जाने, एवं अंजोरा बाईपास से कुम्हारी टोल प्लाजा तक इस 40 किलोमीटर की दूरी पर 04 हाईवे पेट्रोलिंग तैनात किए गए हैं इन हाईवे पेट्रोलिंग के जवानों को उप पुलिस अधीक्षक, श्री सतीश ठाकुर के द्वारा इन जवानों के द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्य की प्रशंसा करते हुए सभी को बधाई के पत्र होना बताया गया और आगे भी इसी लगन और मेहनत पूर्ण ईमानदारी से कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए, साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के प्राथमिक उपचार हेतु सभी को फास्टेड बॉक्स वितरण किया गया इस वर्ष अभी तक इन हाईवे पेट्रोलिंग के जवानों के द्वारा 256 लोगों की मदद की गई, जिसमें से 45 ऐसे भी घायल व्यक्ति हैं जिनको समय पर अस्पताल पहुंच कर उनकी जान बचाई गई । यह हाईवे पेट्रोलिंग हाईवे में लगातार पेट्रोलिंग करते रहते हैं हाईवे में किसी भी प्रकार की मदद के लिए इन नंबर पर संपर्क करें।

### बोरा व्यापारी के घर घुसा अजगर कर रहा था काटने का प्रयास, सावधानी से किया रेस्क्यू

**कोरबा।** जिला में लगातार सांप निकलने की घटना जारी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विभिन्न प्रसार के साप दिखना एक आम बात हैं, जिसके कारण लोगों में डर बना रहता है। सीतामढ़ी के एक बोरा व्यापारी के घर काम करते वक्त घर के सदस्यों की नजर बोरे के ऊपर बैठे एक विशाल काय आठ फीट के अजगर पर पड़ी। फिर क्या था घर में मौजूद लोगों की डर से हालत खराब हो गई। पूरा काम छोड़ कर उस पर ही नजर टिकी रही। इसकी जानकारी वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी को दी गई।कुछ ही देर बाद सारथी मौके पर पहुंच कर सावधानी से रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। अजगर गुस्से से लगातार सारथी को काटने का प्रयास करता रहा फिर भी उसे नहीं छोड़ा और आखिरकार अजगर को बोरे में डालने में कामयाब हुए। तब कहीं जाकर घर वालों ने राहत की सास ली और रेस्क्यू टीम का धन्यवाद दिया। अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया है। जितेंद्र सारथी ने बताया इस ठंड के मौसम में सांप अकसर धूप सेकते नजर आते हैं, ठंडे खून वाले होने के कारण वो ऐसा करते हैं, जो उनके लिए अति आवश्यक हैं।

### केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में विद्यार्थियों ने लगाई व्यंजन प्रदर्शनी

**कोरबा।** केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में बाल दिवस के उपलक्ष्य में व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राचार्य योगेश गुप्ता व सीसीए प्रभारी किरण साहू के अगुवाई में कक्षा बालवाटिका तीन से कक्षा पांचवी तक के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा एवं विशिष्ट अतिथि प्रधानाध्यापिका रीना शालिनी साइमन रही। बच्चों ने समूहों में विभिन्न राज्यों के वेशभूषा (परिधानों) में राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन एवं संवाद बोलकर किया। इसमें मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, राजस्थान, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा एवं सिक्किम राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। बंगाल की मिठाई रसगुल्ला, बिहार का लिट्टी चोखा, राजस्थान का दाल-बाटी चूरमा, महाराष्ट्र का पाव-भाजी, गुजरात का ढोकला, फाफड़ा, जलेबी, उड़ीसा का सागा मोंगा, पंजाब का मक्के की रोटी एवं सरसों का साग, छत्तीसगढ़ का फरा, चीला, चैसेला, बरा, बोबरा एवं सिक्किम का मोमोज आदि था। बच्चों ने एक- दूसरे से अपना व्यंजन साझा किया एवं लुफ्त उठाया। उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को एक दूसरे की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, वेशभूषा को समझने एवं साझा करने की प्रेरणा मिलती है।

### वाशिंग मशीन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**कोरबा ।** आंगन में रखे वाशिंग मशीन की अज्ञात चोर ने चोरी कर ली। पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला कायम कर जांच शुरू की और आरोपित को पकड़ा। दर्री पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया मनीषा यादव थाना उपस्थित आकर लिखित में शिकायत की थी कि 18 नवंबर की रात उसके घर में रखें लायड कंपनी का वाशिंग मशीन कीमत 14000 रूपये की चोरी हो गई है। थाना प्रभारी दर्री चमन सिंहा ने मामले में पतासाजी करने के लिए मुखबिर को सतर्क करने के साथ पुलिस टीम भी लगाया। इस बीच जानकारी मिली कि उक्त चोरी अनुज महत एवं उसके साथियों ने की है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

# दैनिक दैनन्दिनी.

मंगलवार 21 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

# दीपावली, मतदान और छठ के बाद खलिहान की ओर लौटे किसान

## जिले में धान की पैदावार बंपर होने की संभावना

**कोरिया।** जिले के अन्नदाता अब दीपावली, मतदान और छठ पूजा के बाद खेत-खलिहान की ओर लौट रहे हैं ताकि वे अपने फसल की कटाई मिंजाई के बाद धान को बेच सकें। दीपावली के पहले 1 नम्बर से जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ हो गया है। जानकारी मुताबिक इस वर्ष पंजीकृत किसानों की संख्या 2 लाख 2 हजार 282 है जबकि धान बोए गए रकबा लगभग 29 हजार 771 हेक्टेयर है, वहीं धान खरीदी के लिए 22 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं।

बता दें दीपावली, मतदान एवं छठ पूजा के बाद जिले के किसान बड़ी संख्या में खेत- खलिहान में दिखाई दे रहे है और अपने उपजाए लहलहाती फसलों को काटने व मिंजाई में लगे हुए हैं सबंधित विभाग द्वारा धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए बिजली, पानी एवं शेड की समुचित व्यवस्था करने की जानकारी दी है। किसानों के लिए 5 हजार 683 बारदाना गठान का लक्ष्य रखा है। जानकारी के मुताबिक जिले में इस वर्ष धान का उत्पादन बम्पर मात्रा में होने की अनुमान है। विगत वर्ष 94 हजार मेट्रिक टन धान खरीदी की गई थी, जबकि इस वर्ष 1 लाख 13 हजार 666 मेट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है और विगत 20 दिनों में करीब 115 मेट्रिक टन धान खरीदी की गई है।

17 नवम्बर को जिले में मतदान सम्पन्न होने के बाद क्रिकेट प्रेमी विश्वकप व मतगणना को लेकर मशगूल रहे। चौक-चौराहे, चाय- पान दुकान में सिर्फ विश्व कप क्रिकेट, मतगणना तथा प्रत्याशियों के भाग्य को लेकर अनुमान के गणित बनाए जा रहे है। फिलहाल विश्वकप क्रिकेट की खुमारी उतर चुका है जबकि विश्व कप की ताज ऑस्ट्रेलिया ने हासिल कर लिया है। अब 3 नवम्बर को होने वाले मतगणना 12 दिन बचे हैं। स्ट्राँगरूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ ईवीएम मशीन को रखा गया है। मतगणना के लिए प्रशिक्षण व बैठक की तैयारिया जोरो पर है। ऐसे में परिणाम आते ही साफ हो जाएगा कि अनुमान की गणित सही था कि जोड़-घाटाना-गुणा-भाग करने में कहां चूक हुई।

# मतगणना के लिए प्रशिक्षण 23 नवंबर को

**जशपुरनगर।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार समस्त जिलों के अधिकारियों-कमर्चारियों को विधानसभा समान्य निर्वाचन 2023 के मतगणना का विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। जशपुर, रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के लिए 23 नवम्बर को प्रातः 10.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष रायगढ़ में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना के संबंध में नोडल अधिकारी मैनपॉवर मैनेजमेंट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सर्व रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रति विधान सभा 05-05, प्रत्येक विधान सभा हेतु 2 मास्टर ट्रेनर एवं टेबुलेशन प्रभार अधिकारी, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलट, नोडल अधिकारी इवीएम, नोडल अधिकारी सुरक्षा सहायक प्रोग्रामर सहित रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कुल 110 प्रशिक्षणार्थियों हेतु मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम रायगढ़ के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्धारित है। जशपुर के उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने उक्त प्रशिक्षण में निर्धारित तिथि एवं समय पर रायगढ़ के कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में उपस्थित होने हेतु संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है।

# नवापारा गुजराती समाज ने धूमधाम से मनाया जलाराम बापू की 225वीं जयंती

**नवापारा राजिम (दैनंदिनी)।** स्थानीय गुजराती समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जलाराम बापा की 225 वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई। जलाराम जयंती के अवसर पर सुबह सदर रोड से प्रभात फेरी निकाली गई.जिसमे रास्ते भर समाजिकजनो द्वारा भजन कीर्तन कर आतिशबाजी भी की गई. वहीं पूरा सदर मार्ग भगवान जलाराम बापा की जयघोष के नारे से गुंजायमान हो उठा. तत्पश्चात समाज के सभी लोग राधाकृष्ण मंदिर के प्रांगण पहुंचे जहाँ जलाराम बप्पा की आरती एवं भजन हुआ । तत्पश्चात दोपहर 12 बजे सामाजिक भोज सम्पन्न हुआ एवं शाम को बप्पा जी की पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन किया गया वहीं रात्रि 8.00 बजे जलाराम बप्पा की स्वादिष्ट व्यंजन बाजरे का रोटला, खिचड़ी कढी, उधिया की सब्जी का महाप्रसादी पूरे समाज द्वारा किया गया। प्रभात फेरी में गुजराती समाज के विकास लोटिया, मुकेश नथवानी, दीपक कामदार, चेतन मणियार, मयुर माणियार, सतीशभाई गंभीर, भीखूभाई नथवानी राजुभाई शाह, नरेन्द्र बाबरिया, ललित भाई चौहान, अरविद सौमेया, प्रियेश शाह, दर्शन सोनी, जयेश सोनी, ललित गडेचा, गिरीश लोटिया, परेश कोटेचा, मनीष नथवानी, लतेश सोनी, ललित नथवानी, कीरिट सोनी मेहूल, नथवानी, लालाभाई पटेल, प्रकाश मकवाणा, भरत लोटिया सहित महिला मंडल से रूबी कोटक, भावना सोनी, जयश्री लोटिया, पूजाशाह, अल्पा लोटिया, चेतना नथवानी, दर्शना सोनी, चन्दा बेन गडेचा आदि शामिल थे ।

# छठ पूजा में शामिल हुए भाजपा विधायक प्रत्याशी इन्द्र कुमार साहू

**नवापारा राजिम (दैनंदिनी)।** आस्था का लोकपर्व छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्ध्य के दौरान अभनपुर विधानसभा से भाजपा के विधायक प्रत्याशी इन्द्र कुमार साहू अपने समर्थको के साथ नवापारा महानदी तट स्थित छठ घाट पहुंचे और अस्ताचल सूर्य को अर्ध्य देकर छठी मईया की पूजा करते हुए क्षेत्रवासियो के लिए सुख समृद्धि की कामना की.इस दौरान विधायक प्रत्याशी इंद्रकुमार साहू ने उत्तर भारतीय परिवार के लोगो से मुलाक़ात करते हुए उन्हें छठ महापर्व की बधाई भी दी. इस दौरान उनके साथ पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गोयल, भाजयुमो अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, जिला मंत्री परदेशी राम साहू, मुकुंद मेश्राम, पार्षद प्रसन्न शर्मा, रवि साहू, पूर्व पार्षद सौरभ सिंटू जैन, अनुज राजपूत, अजित चौधरी, संजय साहू, टिंकू सोनी, मनीष चौधरी, प्रेमलाल साहू सहित अन्य समर्थक मौजूद थे.

दैनिक दैनन्दिनी. DNX

Rate Card

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

| Ad Duration & Daily Impressions | 1 Month | 3 Months | 6 Months 20% off | 1 Year 35% Off |
|---|---|---|---|---|
| 20 second / 100 Daily | ₹ 20,000/- | ₹ 50,000/- | ₹ 80,000/- | ₹ 130,000/- |
| 30 second / 100 Daily | ₹25,000/- | ₹ 60,000/- | ₹ 98,000/- | ₹ 156,000/- |
| 45 second / 100 Daily | ₹ 36,000/- | ₹ 90,000/- | ₹ 144,000/- | ₹ 234,000/- |
| 60 second / 100 Daily | ₹45,000/- | ₹ 120,000/- | ₹ 192,000/- | ₹ 312,000/- |

Poster Ad.

| Ad Duration & Daily Impressions | 1 Day | 3 Day | 1 Week | 15 Days |
|---|---|---|---|---|
| 20 second / 150 Daily | ₹ 10,000/- | ₹ 20,000/- | ₹ 35 000/- | 60,000/- |
| 30 second / 150 Daily | ₹12500/- | ₹ 25 000/- | ₹45 000/- | 75,000/- |
| 45 second / 150 Daily | ₹ 17500/- | ₹ 35 000/- | ₹60000/- | 90,000/- |

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT
SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

## अमृत वचन

जब भी तुम्हें लगे कि सब कुछ खत्म हो गया, अब कोई भी ऑप्शन नहीं बचा... तो याद रखना कि ये वही पल है जहां तुम्हारी जिंदगी एक नया मोड़ लेने वाली है।

## संपादकीय

# स्वच्छता से शिक्षा

विडंबना है कि जिस कार्य को सरकारों, स्थानीय प्रशासन व शिक्षा विभाग को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए था, उसके लिये सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने पड़ रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि अमृतकाल में देश के सभी सरकारी स्कूलों में छात्राओं हेतु अलग शौचालय नहीं बने हैं। जिसकी वजह से मासिक धर्म के दौरान छात्राओं को शर्मनाक स्थिति झेलनी पड़ती है। उन दिनों में वे स्कूल नहीं जातीं। यहां तक कि बड़ी संख्या में छात्राएं स्कूल में अलग शौचालय न होने के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। गैर-उत्पादक कार्यों व लोकलुभावन कामों में पैसा पानी की तरह बहाने वाली राज्य सरकारें एक बेहद जरूरी कार्य की अनदेखी कर रही हैं। ये तंत्र की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कही जाएगी। इसके बावजूद कि कई अध्ययनों में निष्कर्ष सामने आया है कि स्कूलों में स्वच्छ और क्रियाशील शौचालयों की कमी का सीधा असर छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ता है। वजह साफ है कि मुश्किल दिनों में छात्राएं स्कूल कम आती हैं। उपस्थिति कम होने तथा स्कूल छोड़ने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे तमाम उदाहरण सामने आए हैं जब छात्राएं शौचालय का उपयोग करने से बचने के लिये अपना भोजन, पानी व पेय पदार्थों का उपयोग सीमित कर देती हैं। दरअसल, हालात इतने खराब हैं कि वर्ष 2020 के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि चालीस प्रतिशत स्कूलों में या तो शौचालय थे ही नहीं, या फिर वे काम नहीं कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश में केंद्र सरकार को स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिये कहा गया है। साथ ही सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों व आवासीय स्कूलों में लड़कियों की संख्या के अनुरूप शौचालय बनाने हेतु राष्ट्रीय मॉडल तैयार करने को कहा गया है। इससे पहले भी कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में छात्राओं के लिये मासिक धर्म स्वच्छता योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। साथ ही स्कूलों में सस्ते सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने तथा उपयोग किये गए पैडों के उचित निपटान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये उठाए गए कदमों पर विशेष जानकारी मांगी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि सैनिटरी नैपकिन के वितरण के लिये व्यावहारिक परिपाटी बनाने के साथ ही तौर-तरीकों में एकरूपता लायी जाए। जिस पर केंद्र सरकार की दलील थी कि मासिक धर्म स्वच्छता पर राष्ट्रीय नीति का मसौदा हितधारकों की राय जानने के लिये भेजा गया है। विडंबना देखिए कि लगभग एक दशक पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में लड़कों-लड़कियों के लिये अलग शौचालय और नियमित पानी सुनिश्चित करने को कहा था। इसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम का अभिन्न अंग बताया था। सर्वेक्षण बताते हैं कि स्कूलों में अलग शौचालय बनने के बाद छात्राओं की संख्या में खासा इजाफा हुआ था। ऐसे में कुशलता के साथ स्वच्छता सुनिश्चित कराना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। दरअसल, सवाल प्राथमिकताओं का है। धन की कमी का तर्क पाखंड का पर्याय ही है। अंतिम लक्ष्य स्वच्छ प्रथाओं को उन्नत कर छात्राओं की शैक्षिक भागीदारी बढ़ाना ही है।

## सेहत

# लिवर कैंसर के जिम्मेदार प्रोटीन की हुई पहचान

लिवर कैंसर के इलाज की दिशा में वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी मिली है। स्वीडन के वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने लिवर कैंसर के लिए जिम्मेदार प्रोटीन की खोज कर ली है। इससे भविष्य में कैंसर का बेहतर इलाज हो सकेगा। साथ ही इसकी पहचान भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। यह अध्ययन ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमजे) के जर्नल गट में प्रकाशित हुआ है।

स्वीडन की मेडिकल यूनिवर्सिटी करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं के मुताबिक, लिवर यानी गुर्दे से संबंधित कैंसर में एक प्रोटीन और एक आईएनसी-आरएनए मॉलीक्यूल की पहचान कर ली है। इनकी तादाद बढ़ाने से ट्यूमर सेल में जमा चर्बी कम हो जाती है। इससे ट्यूमर की कोशिकाओं यानी ट्यूमर सेल्स में विभाजन होता है और कोशिकाएं घटती जाती हैं। इसके बाद ये ट्यूमर सेल खत्म हो जाते हैं। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में माइक्रोबायोलॉजी, ट्यूमर और सेल बायोलॉजी की शोधकर्ता क्लाडिया कटर का कहना है कि हमारे जीनोम हमारी कोशिकाओं को निर्देश देते हैं। इससे हर एक प्रकार की कोशिका के लिए एक हाई लेवल वर्क करना तय होता है। इस मैसेज को बाहर दो प्रकार के आरएनए मॉलीक्यूल के जरिए भेजा जाता है। अध्ययन में पाया गया कि ऐसे बहुत से प्रोटीन बिना कूट संदेश वाले आरएनए से प्रतिक्रिया करते हैं, जिन्हें हम आइएनसी-आरएनए भी कहते हैं।

**ऐसे किया शोध**

अध्ययन के दौरान लिवर कैंसर के मरीज से टिशू लिया गया। इसकी विशिष्ट जोड़ी प्रोटीन वाले आईएनए (सीसीटी3) और आईएनसी-आरएनए मॉलीक्यूल बनाकर एडवांस सीआरआईएसपीआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने पर पाया कि दोनों तरह के आरएनए कम हो रहे थे। साथ ही उनका प्रोटीन भी कम हो रहा था। ये प्रोटीन ही कैंसर कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं।

# शीघ्र पकने वाली किस्में ही पराली संकट का समाधान

**- डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर**

भारत सहित दुनियाभर में किसान धान की लगभग 80 प्रतिशत पराली को जलाते हैं जिससे गंभीर वायु प्रदूषण फैलता है। इस वजह से हर साल भारत के घनी आबादी व औद्योगिक घनत्व वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अक्तूबर-नवम्बर महीनों में वायु की गति कम होने और ठंडी हवा आने के साथ वायु प्रदूषण समस्या गंभीर हो जाती है। इसके समाधान के लिए केन्द्र और राज्य सरकारें वर्षों से हजारों करोड़ रुपये व्यय करती आ रही हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

दरअसल, देश के उत्तर पश्चिम मैदानी क्षेत्र में हरित क्रांति के दौर में (1967-1975) नीति-नियंताओं द्वारा प्रायोजित धान-गेहूं फसल चक्र ने पिछले पांच दशकों से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और लगभग एक लाख करोड़ रुपये वार्षिक निर्यात को तो सुनिश्चित किया, लेकिन भूजल बर्बादी, पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्या को बढ़ाया। फसल विविधीकरण के सभी सरकारी प्रयासों के बावजूद धान-गेहूं फसल चक्र पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि में लगभग 70 लाख हेक्टेयर भूमि पर अपनाया जा रहा है। इस क्षेत्र में मौसम इनके अनुकूल है वहीं गन्ने की खेती के अलावा धान-गेहूं किसानों के लिए ज्यादा फायदेमंद है।

उत्तर पश्चिम भारत के प्रदेशों में धान-गेहूं फसल चक्र में लगभग 40 क्विंटल फसल अवशेष प्रति एकड़ पैदा होते हैं जिसमें से आधे यानी 20 क्विंटल गेहूं भूसे का प्रबंधन खास समस्या नहीं है, क्योंकि पशुचारे के रूप में भूसा उपयोगी है वहीं अगली फसल बुआई की तैयारी के लिए करीब 50-60 दिन मिलने के कारण किसान भूसे का प्रबंधन आसानी से कर लेते हैं। लेकिन बाकी आधे फसल अवशेष यानी धान पराली का प्रबंधन किसानों के लिए गंभीर समस्या है क्योंकि पराली आमतौर पर चारे के लिए उपयोगी नहीं। वहीं अगली फसल की बुआई की तैयारी में 20 दिन से भी कम समय मिलता है। ऐसे में, धान कटाई के बाद पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भारी मात्रा में किसान पराली जलाते हैं। जिससे अक्तूबर-नवंबर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित जम्मू से कोलकाता तक बड़े क्षेत्र में वायु प्रदूषण समस्या पैदा होती है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश सरकारें व वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, किसानों पर जुर्माना लगाने, बायो-डीकंपोजर से पराली गलाने, जैसे प्रयास कर रही हैं जिनके अभी तक सार्थक परिणाम नहीं मिले। पूसा डीकंपोजर के प्रायोजक पूसा संस्थान का मानना है कि डीकंपोजर घोल के छिड़काव से 25 दिन बाद पराली कुछ नरम तो होती है, लेकिन इसे पूरी गलने के लिए करीब 50 दिन चाहिए और बायो-डीकंपोजर मशीनों से पराली प्रबंधन का विकल्प नहीं बन सकता है। वहीं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अनुसंधान बताते हैं कि बायो-डीकंपोजर छिड़काव से खास लाभ नहीं जबकि गहरी जुताई कर पराली भूमि में दबाने और खेत में नमी बनाए रखने से, बिना बायो-डीकंपोजर भी पराली 7 सप्ताह में ही गल जाती है।

धान पराली व फसल अवशेष प्रबंधन पर सभी अनुसंधान और तकनीकी रिपोर्ट एकमत हैं कि मशीनों द्वारा फसल अवशेषों को खेत से बाहर निकाल कर उद्योगों में इस्तेमाल करना सर्वोत्तम

daily समाचार.com
daily समाचार.com
डेली samachaar.com
डेली samachaar.com

समाधान है जैसा कि अमेरिका आदि देशों में हो रहा है। लेकिन भारत में छोटी जोत होने से किसान भारी मशीनें नहीं ख़रीद सकते हैं। ऐसे में पराली को भूमि में मिलाना ही व्यावहारिक उपाय है। यह तभी सम्भव है जब पराली को दबाने और गलाने के लिए 45-50 दिन मिल सकें।

कृषि वैज्ञानिकों और नीतिकारों को उत्तर पश्चिम भारत के लिए, धान की खेती के लिए किसान और पर्यावरण हितैषी नयी तकनीक और बुआई कलेंडर आदि विकसित करने होंगे। ऐसे में धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली किस्में कारगर समाधान है।

धान कटाई के बाद रबी फसलों गेहूं, सरसों आदि की बुआई की तैयारी के लिए कम समय मिलने के कारण ही किसान मजबूरन पराली जलाते हैं।

इसके लिए धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों (पीआर-126, पीबी-1509 आदि) को प्रोत्साहन एक कारगर उपाय साबित होगा। वहीं लम्बी अवधि वाली किस्मों पर प्रतिबंध ज़रूरी है। जिसमें धान की बुआई 20 मई से शुरू हो कर कटाई 30 सितम्बर तक हो जाती है। रोपाई के बजाय सीधी बिजाई में धान की सभी किस्में 10 दिन जल्दी पक जाती हैं। ऐसे में गेहूं की बुआई से पहले किसान को लगभग 45-50 दिन धान पराली प्रबंधन के लिए मिलते हैं।

जिसका सदुपयोग करके फसल चक्र के बीच हरी खाद के लिए ढेंचा, मूंग आदि उगा सकते हैं। इससे पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण में कमी आयेगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी।

सरकार इन प्रदेशों में अगर धान की सरकारी खरीद की समय सारणी 15 सितम्बर से 10 अक्तूबर तक तय करे, तो किसान धान की सीधी बिजाई पद्धति में कम अवधि वाली धान किस्मों को ही अपनायेंगे। इससे लगभग एक-तिहाई भूजल, ऊर्जा और लागत में बचत के साथ प्रदूषण भी कम होगा। इस वर्ष खरीफ 2023 सीजन में, हरियाणा में धान की सीधी बिजाई प्रोत्साहन योजना के सकारात्मक नतीजे के कारण, प्रदेश के किसानों ने तीन लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर सीधी बिजाई विधि को अपनाया। जो इस पर्यावरण हितैषी विधि में किसानों के विश्वास को दर्शाता है।

# कला संसार में चमकते सितारे रहे डॉ. बीएन गोस्वामी

**- इरा पांडे**

एक कार्यक्रम में नेहरू जी को दर्शकों से नामचीन शास्त्रीय गायिका एमएस सुब्बालक्ष्मी का परिचय करवाने को कहा गया, तो इस पर उनकी टिप्पणी मशहूर है 'स्वर-साम्राज्ञी का परिचय करवाने लायक मेरी हैसियत कहां, मैं तो मात्र एक प्रधानमंत्री हूं।' आज मैं एक मूर्धन्य विद्वान, एक अध्यापक और ऐसा इंसान, जिसने कला की दुनिया में ऊंचा मुकाम हासिल किया और जो जीवनपर्यंत एक प्रतिबद्ध शिक्षक, परामर्शदाता और शोध-शास्त्री रहे, उनके लिए श्रद्धांजलि लिखने बैठी हूं। ऐसा कोई नहीं है, जिसकी तुलना मैं डॉ. गोस्वामी से कर सकूं। द ट्रिब्यून के पाठकों को उनका नियमित 'आर्ट एंड सोल' नामक स्तंभ याद होगा, जो हर रविवार को उनके तमाम अध्ययन, यात्राओं और निजी व्यस्तताओं के बावजूद प्रकाशित होता रहा। इसलिए कोई हैरानी नहीं कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के चंद घंटों बाद, उन्होंने पिछले रविवार को अपना 707वां लेख लिखा जो कि कसौली कला मेले के पूर्वावलोकन से संबंधित था। पिछले दो साल उनके लिए खास तौर से सुखद नहीं रहे। उनकी जीवनसंगिनी करुणा जी कोविड बीमारी से जूझने के बाद चल बसीं, कुछ महीने पहले उनका बेटा अप्पू भी कैंसर ग्रस्त होकर गुजर गया था। मैंने उन्हें अपनी संवेदनाएं लिख भेजीं और उत्तर की अपेक्षा नहीं की थी। आखिरकार, कौन मां-बाप होंगे जो पुत्र-शोक की वेदना से उबरकर जवाब दे पाएं। लेकिन फिर भी उन्होंने मुझे निजी पत्र लिखा, जो उतना ही स्नेहमयी और दिल को छूने वाले अहसास से परिपूर्ण था, जैसा उनसे मिलते वक्त सदा महसूस हुआ। इसलिए मेरे जैसी एक फ़ानी महिला इस असाधारण मनुष्य के बारे में कहने लायक कहां?

उनसे पहली बार कब मिली, यह याद करने की कोशिश कर रही हूं और मेरी याददाश्त इसमें खेल कर रही है। क्या यह मुलाकात तब हुई थी जब मैं बगल के अंग्रेजी विभाग मैं एक शोधकर्ता थी या किसी संगीत प्रस्तुति कार्यक्रम में? क्या उनके किसी संबोधन के दौरान या जब वे किसी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे? कुछ पक्का नहीं, लेकिन इतना साफ याद है

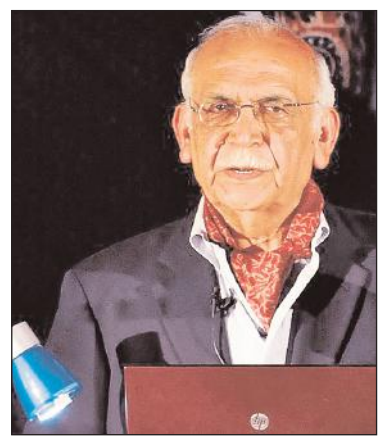

कि वे एक जादुई वक्ता थे। इसके बाद, जब कभी मुझे पता चलता कि उनका कहीं संबोधन होने वाला है तो सब कुछ छोड़-छाड़ कर सुनने के लिए पहुंच जाती और वापसी उनके शब्दों में सराबोर होकर, और अधिक जानकारी से परिपूर्ण, और अधिक अभिभूत होकर होती। किसी सवाल का जवाब देते वक्त उनका ठिठक कर आध्यात्मिक मनन जैसा अंदाज़ होना या स्लाइड दिखाते वक्त उनके समझाने का वह तरीका, जब वे हमारा ध्यान उन अवयवों की ओर दिलाते जिन पर अन्यथा हम शायद ही अपने तौर पर गौर कर पाते, यह उनका विशेष उपहार होता। वे बारीकियों को समझने वाली आंख के धनी थे और छवियों, रंगों एवं कुछ पंक्तियों को पिरोने का उनका हुनर किसी कलाकृति को जीवंत कर देता और उसके सौंदर्य-आयामों को समझने में एक सबक।

कुछ साल पहले, डॉ?. गोस्वामी जयपुर में लिट-फेस्ट में भाग लेने आए थे, जहां मुझे भी आमंत्रित किया गया था। उन्हें दर्शकों में बैठे देख मैं खुद को कुछ अनाड़ी वक्ता महसूस कर रही थी, क्योंकि इतनी बड़ी विभूति की उपस्थिति में मुंह से सही ढंग से शब्द निकलते भी कैसे। अगले दिन एक सत्र में उनका संबोधन था, जिसकी अध्यक्षता विलियम डैलरीम्पल कर रहे थे, मैंने महसूस किया कि हम में बहुत से एक ही किश्ती के सवार थे। इसके बाद तो डैलरीम्पल डॉ. गोस्वामी के सबसे बड़े प्रशंसक बन गए और हर साल लिट-फेस्ट में बीएनजी (वे इस नाम से लोकप्रिय थे) से उनका संवाद सम्मेलन का मुख्य आकर्षण होता। यह डॉ. गोस्वामी की देन है कि हमें कार्ल खंडालावाला, सरयू दोषी, एर्बरहार्ड फ्लैचर और अन्य नामचीन कला-आलोचकों और कला-इतिहासकारों के बारे में जानने को मिला, इतने सारे कि उन सब का नाम यहां गिनाना संभव नहीं है। सत्तर और अस्सी के दशक में, पंजाब यूनिवर्सिटी में हमारे जैसे बहुत से ऐसे थे, जिन्होंने डॉ. गोस्वामी की कृपा से कला की बारीकियां जानने का तरीका सीखना शुरू किया।

पंजाब यूनिवर्सिटी में संग्रहालय बनाने में उनके प्रयास अवश्य ही उनकी सबसे महत्वपूर्ण पहलकदमियों में गिने जाएंगे और इतना ही अहम है, कसौली में दिवंगत विवान सुंदरम की आईवी कॉटेज में 'कसौली आर्ट सेंटर' की स्थापना में उनका योगदान। उन्होंने वस्त्र-उद्योगपति साराभाई को 'कैलिको म्यूज़ियम ऑफ टेक्साइल' बनाने में मदद की और अभिभूत करने वाली यह जगह देखते ही बनती है, वहां रखी कलाकृतियों के संग्रह पर लिखी उनकी पुस्तक ज्ञान का भंडार है।

तथापि जिस काम के लिए उन्हें सदा याद किया जाएगा, वह है, पर्वतीय सूबों की पहाड़ी कलाकृतियों पर किया उनका लासानी शोधकार्य। लगन और मेहनत से तब तक अनाम रहे कलाकारों की वंशावली को खोज निकालना उनका सबसे बड़ा अन्वेषण था। यह उनके गहन अनुसंधान का नतीजा था कि पांडाओं का पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंश-ब्योरा, जिसे वह बहुत गुप्त रखते हैं, इसको किसी प्रकार प्राप्त कर उन्होंने गुलेर के कलाकार जोड़ी के नैन-सुख (भतीजा) और मनकू (चाचा) को ढूंढ़ निकाला। इस विषय पर लिखी दो पुस्तक (खंड पढ़ना) पहाड़ी सूक्ष्म कलाकृतियों में प्रयुक्त रंगों, विषयवस्तु और बारीकियों को समझने की रसयात्रा से कम नहीं है। उनका किया काम ऐसे कलाकारों की तूलिका के रंगों में रचकर सदा जिंदा रहेगा।

बीएनजी जैसा मुझे अब कोई न मिल पाएगा, लेकिन इतना मैं पूर्ण विश्वास से कह सकती हूं कि अपने जीवनकाल में मुझे एक ओजस्वी विभूति से मिलने का सौभाग्य मिला। अलविदा बीएनजी, जब तक आपकी पुस्तकें और कही बातें हमारे साथ हैं, आप तब तक सदा जीवित रहेंगे।

# मन से अनुशासन

नेताजी सुभाष जापान में होटल की खिड़की से देख रहे थे कि बच्चों की पंक्तियां अनुशासन में बंधी सड़क पर जा रही हैं, तो उन्होंने मैनेजर से पूछा कि स्कूलों के बच्चे कहां जा रहे हैं? मैनेजर ने कहा कि ये आपका ही भाषण सुनने जा रहे हैं। अगले दिन नेताजी ने जापान के सर्वेसर्वा प्रधानमंत्री जनरल तोजो से कोई स्कूल देखने को कहा तो उन्होंने नेताजी को एक सूची देकर कहा कि आप खुद चुन लें, किस स्कूल में जाना है। नेताजी और जापान के प्रधानमंत्री तोजो अगले दिन जब स्कूल में गए तो एक कमरे के भीतर शिक्षक पढ़ा रहे थे और बच्चे पढ़ रहे थे। कहीं भी कोई हलचल नहीं हुई। न प्रिंसिपल आए, न ही उनका वहां कोई स्वागत हुआ। तब नेताजी ने कहा कि जापान की असली शक्ति उसका यह अनुशासन ही है, जो डंडे से नहीं, बल्कि मन के भीतर से आया है।

**प्रस्तुति : योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'**

## आज का राशिफल

**मेष**- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। यदि आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं। आप किसी गलत बात के लिए हां मे हां ना मिलाएं, नहीं तो आपको उसे उताक पाने में समस्या आएगी।

**वृषभ**- वृषभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन व्यवसाय में मजबूती लेकर आने वाला है। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग बचत की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे, लेकिन आप किसी मित्र से कोई ऐसी बात ना बोले, जो कि आपको थोड़ा नुकसान दें।

**मिथुन**- आज का दिन भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। साझेदारी में किसी काम को करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप आस्था और विश्वास से आगे बढ़ेंगे। यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से परेशान थे, तो वह पूरा हो सकता है।

**कर्क**- आज का दिन आपके खान-पान में नियंत्रण बनाए रखने के लिए रहेगा, क्योंकि यदि आपने उसमें लापरवाही की तो आपको पेट संबंधित समस्या हो सकती हैं। आप किसी से वाद विवाद में ना पड़े।

**सिंह**- आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आप किसी घर, मकान, वाहन, दुकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा। कार्यक्षेत्र में उम्मीद से ज्यादा धन मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कामकाज के मामले में आपको सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी और घरेलू मामलों में सूझबूझ से आगे बढ़ें, नहीं तो लोग इसे आपकी रणनीति समझ सकते हैं।

**तुला**- आज का दिन आपके लिए अध्ययन और अध्यात्म के मामलों को सुधारेगा। यदि आपने किसी बड़े जोखिम को लेने का सोचा है, तो बिल्कुल ना लें। आपका कोई मित्र यदि आपको कोई सलाह दें, तो आप उस पर अमल अवश्य ना करें।

**वृश्चिक**- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपकी सुख समृद्धि बढ़ेगी, क्योंकि आप अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहेगा। परिवार में लोगों से आपकी कलह बनी रहेगी।

**धनु**- धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपनी ऊर्जा से भरे रहने के कारण किसी भी काम को करने के लिए तत्पर रहेंगे, जिसके कारण आपके साथी आपका फायदा उठा सकते हैं।

**मकर**- मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपका कोई संपत्ति संबंधित मामला यदि कानून में लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें आपको राहत मिलेगी, लेकिन अविवाहित जातकों के लिए उत्तम विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

**कुंभ**- आज का दिन रचनात्मक कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपका साख में वृद्धि होगी। कुछ नए विचार आपके मन में आएंगे जिनसे आपको अपने व्यापार को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए असमंजस से भरा रहेगा। आप कार्यक्षेत्र में कोई ऐसा काम ऐसा ना करें, जिससे कि समस्याओं हो। निवेश के मामलों में आपको पूरी रुचि रखनी होगी। आपको अपने बढ़ते खर्चों को लेकर एक योजना बनानी होगी ताकि आप उन पर लगाम लगा सके। अपने धन का कुछ हिस्सा आप दान पुण्य के कार्यों में भी लगाएंगे। आपको कुछ ठगी और सफेद पोश लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

# टॉपर्स की ये आदतें उन्हें बनाती हैं दूसरों से अलग

**ढ़ाई के समय कुछ छोटी लेकिन जरूरी बातों को ध्यान रखकर आप भी बढ़िया परिणाम पा सकते हैं. किसी और से अपनी सफलता की तुलना करना ठीक नहीं लेकिन जितनी कोशिश कर रहे हैं उतना फल मिले, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आपके लिए मददगार हो सकता है.**

पढ़ाई करते समय लगभग सभी स्टूडेंट्स अपना बेस्ट देते हैं लेकिन हर किसी के लिए परिणाम सकारात्मक नहीं आते. जहां कुछ एक्सेल करते चले जाते हैं तो कुछ बहुत कोशिश के बाद भी सफलता नहीं पा पाते.

दरअसल पढ़ाई के समय कुछ छोटी लेकिन जरूरी बातों को ध्यान रखकर आप भी बढ़िया परिणाम पा सकते हैं. किसी और से अपनी सफलता की तुलना करना ठीक नहीं लेकिन जितनी कोशिश कर रहे हैं उतना फल मिले, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आपके लिए मददगार हो सकता है.

**रोज करते हैं टॉपर्स रिवीजन**

टॉपर स्टूडेंट्स की आदत होती है कि वे हर दिन पढ़ाई शुरू करने से पहले पुराना रिवाइज करते हैं. जब एक टॉपिक खत्म करते हैं तो नये को शुरू करने से पहले पिछला ठीक से रिवाइज करते हैं. जब टॉपिक पक्का हो जाता है तो ही आगे बढ़ते हैं. इसलिए रिवीजन को सफलता की कुंजी कहना गलत नहीं होगा.

**समय को बांट लेते हैं**

दिन के समय को बराबर भागों में बांट लेते हैं और तय कर लेते हैं कि किस समय क्या करना है. कितनी देर पढ़ाई करनी है, कितनी देर रेस्ट करना है, कितनी देर कौन से विषय को देना है. ये सब तय करने के बाद वे दिन की शुरुआत करते हैं जिससे उनका समय बिलकुल भी बर्बाद नहीं होता. इससे हर दिन प्लानिंग के हिसाब से टारगेट भी पूरा होता है और सोच-विचार में समय व्यर्थ नहीं जाता.

**बाहर से मोटिवेशन नहीं ढूंढ़ते**

टॉपर्स खुद को मोटिवेट करने के लिए बाहरी तरीके नहीं तलाशते बल्कि अपनी पढ़ाई को ही मोटिवेशन बना लेते हैं. एक-एक टॉपिक खत्म करना, उस पर पकड़ मजबूत करना और रिवीजन करते हुए समय पर कोर्स खत्म करना ही उनका मोटिवेशन होता है. वे वीडियो देखने या कहानी पढ़कर मोटिवेशन तलाशने में समय नहीं जाया करते.

**छोटे-छोटे गोल बनाते हैं**

इसी तरह टॉपर्स एक साथ बहुत सारे गोल नहीं रखते बल्कि छोटे-छोटे टारगेट बनाते हैं और उन्हें पूरा करते चलते हैं. वो पूरी पढ़ाई को प्लान के मुताबिक छोटे-छोटे टॉपिक्स में बांटते हैं और एक साथ बहुत कुछ करने के बजाय जिससे प्रेशर महसूस हो, वे छोटे-छेटे टुकड़े पूरे करते चलते हैं. इससे उनका मोटिवेशन हाई होता है और टारगेट भी पूरा होता है. ये प्लानिंग के साथ समझदारी और कैलकुलेशन से काम करते हैं.

# घर बैठे करें पढ़ाई, इन ऑनलाइन कोर्स से होगी बढ़िया कमाई

**कई बार कुछ कैंडिडेट्स को पैसा कमाने की जल्दी होती है या उनकी परिस्थितियां ऐसी होती हैं कि उन्हें संस्थान जाकर पढ़ाई करने बजाय ऑनलाइन कोर्स करना ज्यादा सुलभ लगता है. आपकी जरूरत कैसी भी हो, यानी आप चाहे मजबूरी में ऑनलाइन कोर्स चुन रहे हैं या आपको जल्दी कमाई शुरू करनी है या कुछ और. ये कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं. यहां हम ऐसे ही कुछ कोर्स की लिस्ट आपके साथ शेयर कर रहे हैं.**

**ग्राफिक डिजाइनिंग**

ये ऑनलाइन कोर्स आपको बढ़िया कमाई करा सकता है. इसके तहत फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, डिजाइन थ्योरी, ब्रैंडिंग और लोगो डिजाइन जैसी बहुत सी चीजें सिखायी जाती हैं. ये लोग यानी ग्राफिक डिजाइनर हमेशा डिमांड मे रहते हैं और बड़ी-बड़ी कंपनियां इन्हें हायर करती हैं.

**कंटेंट राइटिंग**

अगर लिखने पढ़ने में रुचि है तो ये कोर्स आपके लिए बढ़िया च्वॉइस है. आप कॉपी राइटिंग, ब्लॉगिंग, कंटेंट राइटिंग वगैरह इसके अंतर्गत सीख सकते हैं. आजकल कॉपी राइटर्स की जरूरत देश में नहीं विदेशों में भी है. ये कोर्स आपकी राइटिंग स्किल्स को मांझेगा और बेसिक्स की जानकारी देते हुए बढ़िया तरीके से तैयार करेगा.

**वीडियो एडिटिंग**

सोशल मीडिया के इस जमाने में वीडियो और वीडियो एडिटर की डिमांड दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है. इस काम के तहत आप एडवांस वीडियो एडिटिंग, ऑडियो एडिटिंग, कलर ग्रेडिंग, मोशन ग्राफिक्स वगैरह सीखते हैं. इस कोर्स को करने के बाद अच्छी नौकरी मिल सकती है.

**डाटा साइंस**

इसे आज के समय की जरूरत कहा जाए तो गलत नहीं होगा. डाटा साइंस के कोर्स के अंतर्गत आप एनालिटिक्स, डाटा माइनिंग, मॉडलिंग, विजुअलवाइनजेशन जैसी बहुत सी चीजें सीखते हैं. ये आजकल बहुत डिमांड में रहते हैं और डाटा साइंस का ऑनलाइन कोर्स आपको बढ़िया नौकरी दिला सकता है.

**प्रेजेंटेशन स्किल्स**

हर मौके पर प्रेजेंटेशन स्किल्स की जरूरत पड़ती ही है. ये आपको भीड़ में अलग पहचान दिलाती है. इसके तहत आप पब्लिक स्पीकिंग, कम्यूनिकेशन स्किल्स, स्टोरीटेलिंग स्किल्स जैसी बहुत सी चीजें सीखते हैं. ये कोर्स करके आप खुद को कई तरह की जॉब्स के लिए बढिया तैयार कर सकते हैं.

**वेब और मोबाइल डिजाइनर**

ये भी आजकल बहुत डिमांड में रहते हैं. ये कोर्स करने के बाद आप फ्रीलांसर के तौर पर या डिजाइनर के तौर पर किसी कंपनी में काम कर सकते हैं. इसके तहत आपको मोबाइल और वेब डिजाइन, यूजर इंटरफेस, एचटीएमएल, सीएसएस जैसी बहुत सी चीजें सिखायी जाती हैं. इसमें कोडिंग से संबंधित जानकारी भी दी जाती है. ये कोर्स आपको बढ़िया कमाई करवा सकता है.

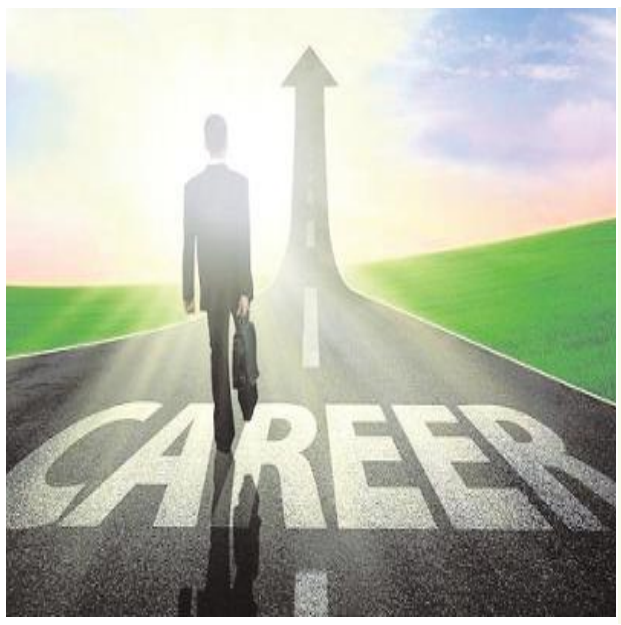


# 12वीं के बाद कैरियर

**यह बहत ही आम बात है कि जैसे ही कोई स्टूडेंट 12 वीं क्लास पास करता हैं तो हर कोई उसे सलाह देने लग जाता है कि यह कोर्स कर लो, वो कर लो, इत्यादि यह बात सही है कि हमारे अनुभवी लोगों से हमें अच्छी ही सलाह मिलें।**

अच्छा करियर बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है, मसलन सैलरी, उस सेक्टर में ग्रोथ है या नहीं और आपकी जॉब की सिक्योरिटी है या नहीं जैसी कई बातें। इससे भी जरूरी बात है कि आपको उस काम में दिलचस्पी जरूर होनी चाहिए। 12वीं के बाद आप कई प्रोफेशनल कोर्स कर सकते हैं। लेकिन हम आपको बता रहे कुछ ऐसे कोर्सेस के बारे में जिन्हें करके आपको अच्छी सैलरी के साथ अच्छा ग्रोथ भी मिलेगा।

◆ **चार्टेड अकाउंटेंट**- चार्टेड अकाउंटेंट (सीए) बनने के लिए कॉमर्स स्टूडेंट को तीन लेवल से होकर गुजरना पड़ता है। इसके लिए सबसे पहले सीपीटी यानी कॉमन प्रोफेशिएंसी टेस्ट करना पड़ता है। इसके बाद आईपीसीसी और फिर फाइनल एग्जामिनेशन पास करनी होती है। एक बार अगर आप सीए का एग्जाम पास कर लेते हैं तो आपको नौकरी करने पर अच्छी सैलरी ऑफर की जाती है। इस कोर्स को करने के बाद सालाना 21 लाख का सैलरी पैकेज मिल सकता है।

◆ **फैशन डिजाइनिंग**- अगर आपमें क्रिएटिविटी कूट-कूट के भरी है तो आप फैशन डिजाइनर का कोर्स कर सकते हैं। शुरू में आप नौकरी कर सकते हैं लेकिन बाद में आप अपना बिजनेस भी कर सकते हैं। दोनों में ही काफी कमाई है। फैशन डिजाइनिंग के लिए बैचलर इन फैशन डिजाइनिंग, बैचलर इन एक्सेसरीज डिजाइनिंग, बैचलर इन लैदर डिजाइनिंग, फैशन कम्यूनिकेशन जैसे कोर्स कर सकते हैं। इसमें सैलरी पैकेज सालाना चार लाख तक हो सकता है।

# एजुकेशन लोन से लगाएं कैरियर को पंख

जीवन में हर मां-बाप का सपना होता है कि उसका बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करके बड़ा इंसान बने लेकिन महंगाई के दौर में भारी-भरकम फीस की व्यवस्था कर पाना सभी के लिए आसान काम नहीं।

जीवन में हर मां-बाप का सपना होता है कि उसका बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करके बड़ा इंसान बने लेकिन महंगाई के दौर में भारी-भरकम फीस की व्यवस्था कर पाना सभी के लिए आसान काम नहीं है। पैसे के अभाव में बहुत सारे बच्चों का ख्वाब धूमिल हो जाता है। यदि आपका बच्चा होनहार है तो ज्यादा चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। आजकल सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के लगभग सभी बैंक आसान शर्तो एजूकेशन लोन मुहैया करा रहे हैं। इसके जरिए अपने लाडले के करियर को पंख लगा सकते हैं। एजूकेशन लोन के लिए पहली शर्त यह है कि छात्र भारतीय नागरिक हो तथा उसने भारत या भारत के बाहर किसी उच्च शिक्षण संस्था में प्रवेश प्राप्त कर लिया हो। मान्यता प्राप्त विविद्यालय में उच्च शिक्षा के लिए ऋण आसानी से मिल जाता है। बैंक कोई भी कर्ज देने से पहले उसकी वसूली सुनिश्चित करते हैं। इसीलिए कर्ज ऐसे लोगों को ही दिया जाता है जो इसके पुनभरुगतान की क्षमता रखते हों। एजूकेशन लोन का भुगतान छात्र के अभिभावक कर सकते हैं अथवा पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र भी इसकी अदायगी कर सकता है। शिक्षा लोन के लिए बैंक गारंटर की मांग कर सकता है। घरेलू संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए 10 लाख रुपए तक का ऋण ले सकते हैं। विदेश में पढ़ाई के लिए 20 लाख रुपए तक का ऋण मिल सकता है। आप फीस के साथ-साथ अतिरिक्त खर्च जैसे हास्टल का किराया, परीक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, किताब आदि खर्चो को भी शामिल कर सकते हैं। यदि आप चार लाख रुपए तक का ऋण लेना चाहते हैं तो आपको किसी तरह की धनराशि अपने पास से जुटाने की जरूरत नहीं है। यदि ऋण की राशि चार लाख रुपए से अधिक है तो कुल ऋण की पांच फीसद धनराशि मार्जिन मनी के रूप में देनी होगी। यदि आप विदेश में पढ़ाई के लिए ऋण ले रहे हैं तो कम से कम 15 फीसद रकम का स्वयं इंतजाम करना होगा। आप जिस बैंक से लोन ले रहे हैं वहां जाकर निर्धारित फार्म भरना होगा। इसके साथ आपको फोटोग्राफ, आइडेंटिटी प्रूफ, रेजीडेंस प्रूफ, माता-पिता का इनकम प्रूफ, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मार्कशीट लगानी होगी। इसके अलावा जिस संस्थान में आप पढ़ाई करने जा रहे हैं, उसका एडमिशन लेटर और पाठ्यक्रम की अवधि का प्रूफ जमा कराना होगा। ध्यान देने की बात यह है कि बैंक सिर्फ सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों में पढ़ाई के लिए ही लोन मंजूर करते हैं। इस लोन की वसूली के लिए बैंक पहले से ही पुख्ता इंतजाम कर लेते हैं। यदि आप चार लाख रुपए तक के ऋण के लिए आवेदन करते हैं तो छात्र को यह ऋण अपने माता-पिता के साथ संयुक्त रूप से लेना होगा। इसके लिए किसी प्रकार की प्रतिभूति जमा करने की जरूरत नहीं होती। यदि आप चार लाख से 6.5 लाख रुपए के बीच ऋण लेते हैं तो आपको किसी तीसरे व्यक्ति की गारंटी भी देनी होगी। यदि ऋण की राशि 6.5 लाख से अधिक है तो बैंक आपको कोई संपत्ति बंधक रखने के लिए कह सकता है। इसके लिए प्रापर्टी के कागजात, एफ्डी, जीवन बीमा का बांड जमा कर सकते हैं। एजूकेशन लोन प्राय: पर्सनल लोन की तुलना में सस्ता पड़ता है। हालांकि ब्याज की दर लोन की राशि पर निर्भर करती है। विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों में भी दो से ढाई फीसद तक का अंतर हो सकता है। फ्लिहाल बैंक 11.75 से 1375 फीसद की दर पर एजूकेशन लोन मुहैया करा रहे हैं। आपको कर्ज की किस्त कोर्स खत्म करने के एक साल बाद या फिर नौकरी लगने के छह महीने के बाद शुरू करनी होगी। इस ऋण का आपको 15 साल में भुगतान करना होगा। बैंक फिक्स्ड और फ्लोटिंग दरों का विकल्प देते इस लोन की वसूली के लिए बैंक कई विकल्प देते हैं। पहला विकल्प यह है कि आपने जिस कोर्स में प्रवेश लिया है, उसकी समाप्ति के बाद कर्ज का भुगतान कर सकते हैं। कई बैंक कोर्स की समाप्ति के एक बर्ष बाद या नौकरी लगने के छह महीने बाद रिपेमेंट शुरू करने का विकल्प भी देते हैं। कुछ बैंक कोर्स पूरा करने के बाद वास्तविक ईएमआई (मूल और ब्याज) तय कर देते हैं। यदि आप सक्षम हैं तो लोन मिलने के तुरंत बाद ईएमआई का भुगतान कर सकते हैं। आप अपने सुविधा के अनुरूप विकल्प चुन सकते हैं। शिक्षा ऋण पर आयकर की धारा 80ई के तहत आयकर में छूट का प्रावधान है।

शिक्षा ऋण पर दिए गए ब्याज को आप अपनी आय में से घटा सकते हैं।

# कैरियर के हैं विकल्प अनेक

करियर के हैं विकल्प अनेक: अभी तक करियर के वही पारंपरिक गिने चुने विकल्प हुआ करते थे। सरकारी नौकरी को प्राइवेट के मुकाबले में ज्यादा प्रेफर (महत्व) किया जाता था, लेकिन अब स्थिति भिन्न है। आज का युवा अपने को प्रूव करना चाहता है, यह सरकारी नौकरी में संभव नहीं है। इसीलिये उसका रूझान प्राइवेट सेक्टर की ओर होने लगा है। दूसरी बात यह है कि यहां पे स्केल भी ज्यादा हैं।

❋ **इनफॉर्मेशन टैक्नॉलॉजी तथा एम.बी.ए** -

आज का युग आई.टी.युग है। कंप्यूटर्स के बगैर आज की मॉडर्न लाईफ की कल्पना नहीं की जा सकती। इनमें एक्सपर्ट्स के लिए बड़ी-बड़ी नौकरियों के द्वार खुले हैं। मंदी के दौर में आई टी सेक्टर को हमारे देश में भी काफी नुक्सान उठाना पड़ा है लेकिन फ्यूचर ब्राइट है। एम. बी.ए. भी आज एक टॉप पर चल रहा क्षेत्र है। बड़ी तादाद में लड़के लड़कियां एम बी.ए. कर रहे हैं क्योंकि इनकी हर कंपनी में डिमांड है। ये उनके करियर को ऊंचाई तक ले जाने में सहायक हैं।

❋ **ग्रीन कॉलर जॉब** -

आई आई टी मुंबई एनर्जी सिस्टम्स पर बेस्ड इंटर डिसिप्लनरी कोर्स को अपग्रेड करके पूरे डिपार्टमेंट के रूप में डेवल्प कर रहा है। इसका नाम 'एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट' है।एनवायरमेंटल एजुकेशन के बारे में अभी लोगों को कम ही पता है लेकिन आर्थिक उन्नति के लिये ऊर्जा संरक्षण एक बेहतरीन माध्यम है। आज ऐसे लोगों की जरूरत है जो कम से कम ऊर्जा के साथ ज्यादा आउटपुट देने की योग्यता रखते हों। कई शैक्षणिक संस्थान इसीलिए अपने करिकुलम में इस विषय को शामिल कर रहे हैं। दुनिया-भर में क्लीन एनवायरमेंट को प्रमोट करने और ग्लोबल वार्मिग पर नियंत्रण करने की मांग ने यह जॉब प्रोफाइल क्रिएट किया है। ग्रीन कॉलर वर्क फोर्स की डिमांड क्लाइमेट चेज साइंस, कृषि, इनवेस्टमेंट बैंकिंग एंड प्रोजेक्ट फाइनेंस, टेक्नॉलॉजी डेवलपमेंट एंड डिप्लायमेंट पॉलिसी एंड रेग्युलेटरी स्टडीज एंड लीगल अफेयर्स आदि कई क्षेत्रों में बढ़ने लगी है।

❋ **बी.पी.ओ** -यह आज का तेजी से उभरता करियर ऑप्शन है। बीपीओ यानी 'बिजनेस प्रॉसेस आउट सोर्सिंग'। इसमें टेलीकॉलिंग और इनफॉर्मेशन शेयरिंग का काम होता है। ये डे एंड नाइट चौबीसों घंटे चलते हैं। इसमें मोटे सेलेरी पैकेजेस होने से युवाओं के लिये ग्रेट अट्रैक्शन है।

❋ **ट्रैवल एंड टूरिज्म** -हालांकि आतंकवाद के कारण इस क्षेत्र में काफी मंदी भी आई है, लेकिन फिर भी फ्यूचर ब्राइट है। यह एक दिलचस्प फील्ड है। इसका दायरा विस्तृत और जानकारी बढ़ाने वाला है। हां, इसमें भाषाओं की बेहतर नॉलेज जरूरी है।

❋ **मीडिया** -यहां पैसा, ग्लैमर और शोहरत की चकाचौंध है। नेचुरली यह युवाओं के लिए बेहद अट्रैक्टिव फील्ड है। पिछले कुछ बरसों में मनोरंजन के साथ-साथ न्यूज बेस्ड कई चैनल्स की बाढ़ सी आने से यहां पर नौकरियों के द्वार खुले हैं।

इंश्योरेंस -पहले जहां यह सरकारी कंपनियों तक ही सीमित था। अब निजी क्षेत्र में भी इस सेक्टर के खुल जाने से यहां ढेर सारी ऑपर्चुनिटिज बढ़ी हैं। बड़ी बड़ी कंपनियों जैसे भारती एयरटेल, मैक्स, अवीवा मेटलाइफ आदि में एडवाइजर्स थोक में रखे जाते हैं।

क्रिएटिव डिजाइनिंग -यह एक वाइड करियर ऑप्शन है। इस क्षेत्र में हर तरह की डिजाइनिंग शामिल है जैसे ज्यूलरी, फर्नीचर फैशन डिजाइनिंग इत्यादि। चूंकि लोगों में क्वालिटी ऑफ लाइफ को लेकर जागरूकता फैली है। इस क्षेत्र में भी संभावनाएं बढ़ी हैं।

# विदेशी स्कॉलरशिप हैं बड़े काम के

**विदेशी स्कॉलरशिप उच्च शिक्षा की राह खोलेगी**

विदेशी उच्च शिक्षा हासिल करने की चाह रखने वाले युवाओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि, विदेशों में उच्च शिक्षा महंगी होने की वजह से हर कोई यह सपना पूरा नहीं कर पाता। लेकिन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का उच्चतर शिक्षा विभाग सांस्कृतिक/शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के जरिए बाहरी देशों द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति या स्कॉलरशिप अवार्ड की सुविधा उपलब्ध कराता है। ज्यादातर उन्हीं विषयों के लिए ये देश स्कॉलरशिप उपलब्ध कराते हैं जिनके लिए इन देशों के पास सुविधाएं हैं और साथ ही राष्ट्रीय आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है। भारत में फ्लिहाल नौ देश शैक्षिक आदान-प्रदान के तहत छात्रों को स्कॉलरशिप दे रहे हैं। राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति (यू.के.) यूके चिकित्सा क्षेत्र में स्नातकोत्तर और पीएच.डी की डिग्री करने के लिए भारतीय छात्रों को स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाता है। इसमें चिकित्सा क्षेत्र के कई विषयों में शामिल किया जाता है। इनमें मेडिसिन, कैंसर अनुसंधान, हृदय रोग, स्त्री रोग, स्नायुविज्ञान और कान, नाक, गला, अस्थि विज्ञान, दंत चिकित्सा शामिल है। उच्चतर तकनीकों और पद्धतियों में परियोजना से संबंधित प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्तियां दी जाती हैं और ये सामान्यकृत प्रशिक्षण डिग्री या डिप्लोमा के अध्ययन के लिए नहीं है। इसके अलावा इंजीनियरिंग ओर प्रौद्योगिकी, विज्ञान, कृषि जैसे क्षेत्रों में भी यूके स्कॉलरशिप प्रदान करती है।

# फ्रिज में रखा खाना कर सकता है बीमार

**समय की बचत करने के लिए या फिर कई बार बचा हुआ खाना खराब होने से बचाने के लिए ज्यादातर लोग उसे फ्रिज में स्टोर करके रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा करने की आपकी ये आदत आपका कुछ समय तो भले ही बचा लें लेकिन धीरे-धीरे आपको बीमार भी बना सकती है। जी हां, गूंथा आटा, उबली दाल, कटी सब्जियां, फल और मछली, जैसी चीजें फ्रिज में स्टोर करके रखना समय की बचत के लिए अच्छा सॉल्यूशन लग सकता है लेकिन क्या आप जानते हैं फ्रिज में भी खाना रखने की भी एक सीमा अवधि होती है।**

**फ्रिज में जल्दी क्यों नहीं खराब होता खाना-**

भोजन को लंबे समय तक के लिए बनाकर रखने से उसमें जीवाणु पैदा होने लगते हैं। ऐसे में रेफ्रिजरेटर भोजन में साल्मोनेला, ई-कोलाई और बोटुलिनम जैसे जीवाणुओं के विकास को धीमा कर देता है। हांलाकि इन जीवाणुओं को रोकने का प्रयास खाद्य पदार्थ को विषाक्तता पदार्थों में भी बदल देता है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि फ्रिज में भी खाना रखने की भी एक सीमा अवधि होती है।

**फ्रिज में खाना स्टोर करने से नुकसान-**

**फूड प्वॉइजनिंग-**

रसदार खाद्य पदार्थों को फ्रिज में स्टोर करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप फ्रिज में कच्चा मांस रखते हैं और मांस से रस टपककर नीचे रखे भोजन को दूषित कर सकता है। जो पेट में संक्रमण का कारण बनकर फूड पॉइजन का खतरा बढ़ा सकता है।

**पेट से जुड़ी समस्याएं-**

फ्रिज में जरूरत से ज्यादा फल-सब्जी भरे होने के कारण उसमें बहुत कम हवा बनी रहती है। जिसकी वजह से न तो खाना फ्रेश बना रहता है और न ही बैक्टीरिया फ्री रहता है। यही वजह है कि जरूरत से ज्यादा भरे हुए फ्रिज में रखे खाने से दस्त जैसी पेट की समस्याएं हो सकती हैं।

**संक्रमण का खतरा-**

गंदे रेफ्रिजरेटर में कॉकरोच, मक्खियों, मच्छरों जैसे कीड़े अपने लिए जगह बना लेते हैं। इन कीड़े-मकोड़ों की वजह से तरह-तरह के बैक्टीरिया और फंगस खाने को दूषित कर सकते हैं। जिससे गैस, पेट में दर्द, संक्रमण, दस्त की समस्या हो सकती है।

**भोजन को स्टोर करने और उसकी शुद्धता परखने के टिप्स-**

-खाने की शुद्धता जांचने के लिए आप उसे देखकर, सूंघकर और छूकर जांच कर सकते हैं कि आपका भोजन खाने के लिए सुरक्षित है या नहीं ।

-अगर आपको भोजन की सुरक्षा पर संदेह हो उसे बिना ज्यादा सोचे सीधे फेंकना ही अच्छा उपाय है।

-जितना संभव हो, ताजा पका हुआ भोजन ही करें।

# डायबिटीज से लेकर वेट लॉस तक में फायदेमंद है सफेद जामुन

आपने अक्सर लोगों को डायबिटीज रोगियों को काले जामुन खाने की सलाह देते हुए सुना होगा। गर्मियों में पाया जाने वाला ये फल व्यक्ति के शरीर और स्किन, दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं सिर्फ काले जामुन ही नहीं सफेद जामुन भी अपने गुणों की वजह से लोगों के बीच काफी पसंद किए जाते हैं। जी हां, सफेद जामुन को वैक्स जम्बू, रोज एप्पल, मोम सेब या पानी का सेब भी कहा जाता है। गर्मियों में मिलने वाले इस जादुई फल को आयुर्वेदिक, यूनानी और चीनी दवाओं को बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

सफेद जामुन में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन जैसे मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स काफी मात्रा में मौजूद होते हैं जो आपकी स्किन, डाइजेशन और बालों के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं सफेद जामुन का सेवन करने से व्यक्ति को मिलते हैं क्या-क्या लाभ।

**सफेद जामुन के फायदे-**

**पाचन में करे सुधार-**

सफेद जामुन में फाइबर की प्रचूरता होने के साथ टैनिन की उच्च मात्रा मौजूद होती है। जिसकी वजह से पाचन में सुधार के साथ कब्ज की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। इसमें मौजूद रेचक इफेक्ट इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम के लक्षणों को दूर करने में मदद करता है।

**इम्यूनिटी करे बूस्ट-**

सफेद जामुन में मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर को

मुक्त कणों से बचाए रखमे में मदद करते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकते हैं।

**आंखों की रोशनी-**

सफेद जामुन में मौजूद नाइयासिन गुड कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने और हानिकारक ट्राइग्लिसराइड, बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। जिसकी वजह से दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन बी और विटामिन सी की प्रचूरता आंखों की रोशनी बढ़ाने और मेटाबॉलिज्म को सुधारने में मदद करती है।

**डायबिटीज रखें कंट्रोल-**

डायबिटीज रोगियों के लिए भी सफेद जामुन बहुत अच्छा माना जाता है। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करता है। इसके बीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और प्रोटीन मौजूद होते हैं। इस फल को खाने से गले का संक्रमण ठीक होने के साथ पेट फूलने की समस्या भी दूर होती है।

**वेट लॉस-**

सफेद जामुन में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर की अधिकता होती है। यही वजह है कि यह फल वेट लॉस में भी फायदा पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद फाइबर की अधिकता आपको पूर्ण और संतुष्ट महसूस करने में मदद करती है, जो क्रेविंग को कम करने और ओवरईटिंग को रोकने में मदद कर सकती है।

**हाई ब्लड प्रेशर-**

हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल रोगियों के लिए भी सफेद जामुन का सेवन फायदेमंद माना जाता है।फाइबर से भरपूर होने के कारण यह कोलेस्ट्रॉल की स्थिति को ठीक रखने में मदद करता है।

# क्या आपको पता है आम खाने का सही तरीका

मैंगो लवर्स बेसब्री से गर्मी के मौसम का इंतजार करते हैं। आम सिर्फ टेस्ट में ही लाजवाब नहीं होता बल्कि इसमें कई सारे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इस फल को आप कई तरह से खा सकते हैं। कच्चे आम की चटनी, आम पन्ना, मैंगो शेक, मैंगो मस्तानी, आम की कुल्फी, आम का जूस, आम पापड़ न जाने कितने तरीके से यह फल खाया जाता है।

अगर आप चाहते हैं कि आम आपको नुकसान न करे और इसके ज्यादा से ज्यादा फायदे मिल सकें तो यहां बताए कुछ आयुर्वेद टिप्स फॉलो कर सकते हैं।

**आम खाने से पहले ये रखें ध्यान**

बच्चों से लेकर बड़ों तक शायद ही कोई ऐसा होगा जिसे आम पसंद न हों। इस फल की कई सारी वरायटीज आती हैं। इनको खाने का तरीका भी अलग होता है। आम के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स हमें कई बीमारियों से बचाते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार अपने इंस्टाग्राम पर आम से खाने के कुछ नियम पोस्ट कर चुकी हैं। यहां जानें आम कैसे खाएं।

**आम भिगाना क्यों जरूरी**

- आम हमेशा लोकल फ्रूट सेलर से खरीदें
- आम को लाकर अच्छी तरह धो लें।
- एक बाउल में साफ पानी लें और उसमें आम को 25-30 मिनट के लिए भिगो दें। दरअसल आम भिगाने से इनमें मौजूद फाइटिक एसिड की ज्यादा मात्रा निकल जाती है। इसके बाद फल के पोषक तत्व शरीर अच्छी तरह अवशोषित करता है।

**खाने का तरीका**

आप आम को नाश्ते में, खाने के साथ या शाम को भी खा सकते हैं।

आम को दूध में डालकर मैंगोशेक बना सकते हैं।

सबसे अच्छा तरीका है आप आम को फल की तरह ही खाएं।

**क्या दूध के साथ मिलाना सही?**

कई लोगों को ऐसा लगता है कि आम को दूध के साथ मिलाना ठीक है या नहीं।ि सका जवाब डॉक्टर दीक्षा देती हैं कि पके और मीठे फलों के साथ दूध मिलाने में कोई दिक्कत नहीं। जैसे खजूर, आम वगैरह।

# कई गुणों के कारण सेहत के लिए जरूरी है नारियल

नारियल, एक ऐसा फल है जिसे अपने यहां पूजा से लेकर स्किन केयर तक में कई प्रकार से इस्तेमाल किया जाता है।

नारियल गोला को लोग जहां खाने में इस्तेमाल करते हैं वहीं, नारियल पानी को लोग पीते। नारियल का तेल स्किन और बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है तो, सूखा नारियल मेवे की तरह खाया जाता है। इसी तरह से कई कारण हैं जिसकी वजह से नारियल हमारे हेल्थ और लाइफस्टाइल का हिस्सा रहा है।

लेकिन, सबसे बड़ा कारण इसके कुछ गुण हैं जो कि सेहत के लिए कई प्रकार से काम कर सकते हैं। आइए, जानते हैं उन्हीं गुणों के बारे में विस्तार से।

**एंटी बैक्टीरियल है नारियल**

नारियल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर है जिसकी वजह से आप इसे स्किन और बालों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। ये डैंड्रफ ही नहीं बल्कि, दाद और खुजली की समस्या को भी कम कर सकता है। इसके अलावा दाने और फुंसी को भी कम करने में मददगार है।

**नारियल में हैं कई एंटी ऑक्सीडेंट्स**

एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर नारियल, आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये मेटाबोलिज्म को तेज करता है, फाइबर से भरपूर है और वेट लॉस को कम करने में मददगार है। इसलिए लोग कब्ज, पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं में नारियल का सेवन करने की सलाह देते हैं।

**नारियल का पानी है मूत्रवर्धक**

नारियल का पानी मूत्रवर्धक यानी ड्यूरेटिक है। ये आपके ब्लैडर से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है। ये यूटीआई इंफेक्शन से लेकर आपके ब्लैडर के पीएच तक को बैलेंस करने मे मदद कर सकता है। इतना ही नहीं ये एक इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक भी है।

**ओमेगा-3 से भरपूर है नारियल**

नारियल में ओमेगा-3 होता है जो कि आपकी सेहत के लिहाज से कई प्रकार से काम कर सकता है। ये पहले को आपके ब्रेन हेल्थ को बेहतर बनाता है और फिर आपकी तंत्रिका कोशिकाओं को हेल्दी रखता है। इसकी वजह से आप हेल्दी ब्रेन के लिए कच्चा नारियल तक खा सकते हैं।

**मैंगनीज से भरपूर है नारियल**

नारियल पानी हो या कच्चा नारियल इसमें मैंगनीज की अच्छी मात्रा होती है। मैंगनीज शरीर में कनेक्टिव टिशूज, हड्डियों, खून के थक्के बनाने वाले कारकों और सेक्स हार्मोन बनाने में मदद करता है। ये फैट और कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म, कैल्शियम अवशोषण और ब्लड शुगर संतुलित करने में भी भूमिका निभाता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको नारियल का सेवन करना चाहिए।

# लो ब्लड प्रेशर को नजरअंदाज न करें

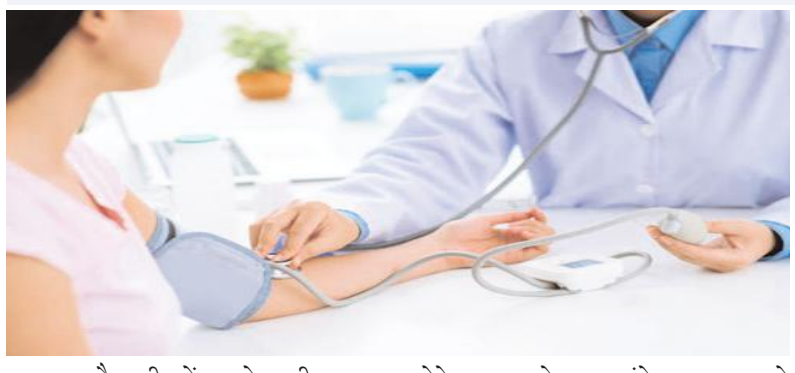

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है। जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

**डॉक्टर से करें सपर्क**

लो ब्लड प्रेशर के शुरूआती मामले सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते पर इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। ऐसे में तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिये।

चक्कर आना या सिर घूमना। चक्कर खाकर गिर जाना। एकाग्रता में कमी होना। धुंधला दिखाई देना, उल्टी आने का अहसास होना, त्वचा का ठंडा पड़ जाना, त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना, सांस का असामान्य होना, अधिक थकान का अनुभव होना। भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है।

**इस प्रकार के उपाय करें**

पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है

लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा। अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए। भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए। आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें। शराब का सेवन न करें। चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। व्हाइट फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या में फायदेमंद होगें।

# उगते सूरज को अर्ध्य देने के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ का हुआ समापन, हुई भव्य आतिशबाजी

**नवापारा राजिम ( दैनंदिनी )।** लोक आस्था के महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान सोमवार सुबह उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया .स्थानीय नवापारा में निवासरत उत्तर भारतीय परिवार द्वारा रविवार कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी को संध्या अर्घ्य देकर छठी मईया की पूजा अर्चना की गई. वही सोमवार को उगते सूरज को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन हुआ .

स्थानीय छठ सेवा समिति के द्वारा आयोजन को लेकर काफ़ी तैयारी महानदी तट पर हनुमान मंदिर के पास और नेहरू घाट पर की गई थी . संध्या अर्घ्य के दौरान महिलाओ ने छठी मईया के गीत गाकर उन्हें रिझाने का प्रयास किया . वही सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ा. छठ महापर्व में उत्तर भारतीय परिवार के दौरान छठी मईया को रिझाने ठेकुआ का विशेष प्रसाद अर्पण भी किया गया साथ ही साथ उपस्थित जनसमूह को भी यह प्रसाद वितरण किया गया. छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हुई थी.

पंडित कामेश्वर प्रसाद तिवारी ने छठ पूजा की माहिमा बताते हुए कहाकि ये व्रत संतान की दीर्घायु और खुशहाल जीवन के लिए किया जाता है। इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं।छठ के सभी दिनों का विशेष महत्व होता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ मैया सूर्य देव की बहन और ब्रह्मा जी की मानस पुत्री है. इस अवसर छठ सेवा समिति के सदस्य कामेश्वर तिवारी , राजेश शर्मा, सुरेंद्र शर्मा , राम कुमार शर्मा , आशीष अवस्थी , रविन्द्र सिंह , बृजकिशोर तिवारी , श्रवण झा , आदित्य गुप्ता जी एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका का विशेष योगदान रहा.

## कांग्रेस विधायक प्रत्याशी धनेन्द्र साहू ने छठी मईया से क्षेत्रवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की

आस्था का लोकपर्व छठ महापर्व के अंतिम दिन सुबह पूर्व मंत्री व विधायक प्रत्याशी धनेन्द्र साहू अपने समर्थको के साथ नवापारा महानदी तट स्थित छठ घाट पहुंचे और उगते सूर्य को अर्ध्य देकर छठी मईया की पूजा की और क्षेत्रवासियो के लिए सुख समृद्धि की कामना की.

इस दौरान विधायक धनेन्द्र साहू ने उत्तर भारतीय परिवार के लोगो से मुलाक़ात करते हुए उन्हें छठ महापर्व की बधाई भी दी. इस दौरान विधायक धनेन्द्र साहू के साथ पालिका अध्यक्ष धनराज मध्यानी, उपाध्यक्ष चतुर जगत, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष सरदार जीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष चन्द्रहास साहू, नवापारा ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ शर्मा, पालिका सभापति संध्या राव, अजय कोचर,मंगराज सोनकर, अजय साहू,अनूप खरे, हेमंत साहनी, एल्डरमैन रामा यादव, मेघनाथ साहू, नवापारा ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष राकेश सोनकर, अर्जुन साहू, फागुराम देवांगन, टिकेश्वर गिलहरे, प्रतीक साहू सहित अन्य धनेन्द्र समर्थक मौजूद थे.

# धान खरीदी केन्द्र पहुंच कलेक्टर ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**बलौदाबाजार।** कलेक्टर चंदन कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने सोमवार को बलौदाबाजार एवं पलारी विकासखंड के विभिन्न धान खरीदी केन्द्र में पहुँचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने बलौदाबाजार के ग्राम सकरी, पलारी के ग्राम पंचायत अमेरा एवं नगर पंचायत पलारी के धान खरीदी केन्द्रों में धान बेचने पहुंचे किसानों से मुलाकात कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजी,बारदाना रजिस्टर,टोकन रजिस्टर की बारिकी से जांच की। इसके साथ ही ढेरी में लगाए हुए धान को पॉस मशीन के जरिये आर्द्रता को मापा गया। जांच के दौरान धान की गुणवत्ता सही पाया गया। इस दौरान कलेक्टर को कही कही किसानों से सूखत के नाम से किसानों से अधिक धान खरीदी एवं निर्धारित तय सीमा में नमी धान की शिकायतों को बड़ी गंभीरता से लिए है उन्होने सभी अधिकारियों एवं प्रबंधको को दू टूक कहा कि किसी भी स्थिती में किसानों से सूखत के नाम से अधिक धान की तोलाई ना करे ना ही तय सीमा से अधिक नमी वाले धान की खरीदी की जाएं इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र प्रभारी से कहा कि किसान कड़ी मेहनत कर धान उत्पादन करता है। किसान की मेहनत का वाजिब दाम मिले और उनके काम का सम्मान हो, इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केंद्र में छाया व बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से बनाए रखें। उन्होंने कहा कि एक दिन में जितने किसानों से धान की खरीदी हो सके, उतने ही किसानों को धान खरीदी केंद्र में बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा ना हो कि कोई किसान धान बेचने के लिए आए और उसे अनावश्यक रूप से अधिक समय तक रूकना पड़े। कलेक्टर ने उपस्थित किसानों, फड़ प्रभारी, मजदूरों अन्य ग्रामवासीयों से बातचीत की। बातचीत के दौरान ग्राम अमेरा निवासी प्रदीप कुमार ने कलेक्टर को बताया कि मुझे धान बेचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई। सकरी धान खरीदी में किसान ग्राम सकरी धनी राम साहू ने बताया कि आज मैंने 900 कट्टा धान सकरी खरीदी केन्द्र में बेचा हूं। इसी तरह पलारी धान खरीदी के प्रबंधक ने बताया कि लगभग 800 किसान समिति में पंजीयन है। जिसमें से अभी तक 60 किसानो ने अपने धान बेचे हैं।

## मतगणना के लिए प्रशिक्षण 23 को

**जशपुरनगर।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार समस्त जिलों के अधिकारियों-कमर्चारियों को विधानसभा समान्य निर्वाचन 2023 के मतगणना का विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। जशपुर, रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के लिए 23 नवम्बर को प्रात: 10.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष रायगढ़ में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना के संबंध में नोडल अधिकारी मैनपॉवर मैनेजमेंट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सर्व रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रति विधान सभा 05-05, प्रत्येक विधान सभा हेतु 2 मास्टर ट्रेनर एवं टेबुलेशन प्रभार अधिकारी, नोडल अधिकारी पोस्टल बैलट, नोडल अधिकारी इवीएम, नोडल अधिकारी सुरक्षा सहायक प्रोग्रामर सहित रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कुल 110 प्रशिक्षणार्थियों हेतु मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम रायगढ़ के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्धारित है। जशपुर के उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने उक्त प्रशिक्षण में निर्धारित तिथि एवं समय पर रायगढ़ के कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में उपस्थित होने हेतु संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है।

## किरंदुल में धूमधाम से मनाया गया लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा

**किरंदुल ( दैनंदिनी )।** लोह नगरी किरंदुल में लोक आस्था के महा पर्व छठ पर्व को धूमधाम से मनाया गया । भारत देश के उत्तर प्रदेश बिहार प्रान्तों में मनाए जाने वाले लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को किरंदुल नगरी में भी स्थानीय उत्तरप्रदेश बिहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिषद किरंदुल के तत्वावधान में स्थानीय उत्तर प्रदेश बिहार सामाजिक भवन के प्रांगण में एवं नगर के ह्रदय स्थल पर स्थित बैलाडीला देवस्थान राघव मंदिर के प्रांगण में स्थित छठ घाट में धूमधाम से मनाया गया । नहाय खाय के साथ प्रारंभ हुई छठपूजा को रविवार शाम को छठ व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्ध्य दिया एवं सोमवार सुबह को छठ व्रत धारियों ने उगते सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा का समापन किया । इस दौरान सामाजिक भवन स्थित छठघाट एवं राघव मंदिर स्थित छठ घाट को आकर्षक लाइट सजावट से सजाया गया था । साथ ही बैंडबाजे की भी व्यवस्था की गई थी । विदित हो कि नवंबर माह में छठ पर्व के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश बिहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संघ के तत्वावधान में नगर के फुटबाल ग्राउंड स्थित स्टेडियम में छठ पूजा के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण नगर वासियों के लिए महापर्व छठ के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाना प्रस्तावित हैं । इस दौरान उत्तर प्रदेश बिहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संघ किरंदुल के सदस्यों सहित सभी सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

# चंद मिनटों में खुशी से गम तक- सोनी सब के वंशज में, अंजलि तन्नारी ने एक गहन और चुनौतीपूर्ण सीक्वेंस पर विचार व्यक्त किया

किसी किरदार को पर्दे पर निभाने के लिए अक्सर ही कलाकारों को पलक झपकते ही तीव्र भावनाओं में उतरने की आवश्यकता होती है। सोनी सब के पारिवारिक ड्रामा वंशज में युविका की भूमिका निभाने वाली अंजलि तन्नारी के लिए, यह सफर उतना ही चुनौतीपूर्ण था। शो की हालिया शूटिंग के दौरान, उन्हें कुछ ही मिनटों में कई प्रकार की भावनाओं से गुजरना पड़ा।

अंजलि का किरदार युविका, एक तरफ, अपने पिता की बेगुनाही साबित करके और शोभना (कविता कपूर) की अपराधों को दुनिया के सबके सामने लाकर खुशियों में डूबी हुई है। हालांकि, अगले ही पल, उसकी दुनिया में उथल-पुथल मच जाती है क्योंकि उसे यह चौंकाने वाली खबर मिलती है कि शोभना उसे मारना चाहती है। यह भावनात्मक उथल-पुथल अंजलि के लिए कोई आसान उपलब्धि नहीं थी, क्योंकि उसे एक ही कहानी में अत्यधिक खुशी, दु:ख और अपराधबोध को प्रदर्शित करना था। हालांकि, अंजलि ने एक भावना से दूसरी भावना की ओर बढ़ने के मुश्किल काम को बखूबी निभाया और दिल छूने वाले परफॉर्मेंस किया।

युविका का किरदार निभाने वाली अंजलि तन्नारी ने कहा, युविका का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जो विभिन्न हालातों और भावनाओं से भरा हुआ है। एक अभिनेत्री के रूप में, इन तीव्र भावनाओं को कुछ ही मिनटों में प्रदर्शित करना आसान नहीं है। यह निश्चित रूप से गंभीर प्रक्रिया थी जिसने मेरे कौशल की परीक्षा ली और मुझे एक कलाकार के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

यह अनुभव एक साथ थका देने वाला, चुनौतीपूर्ण और रोमांचकारी था। अब, उन सींस के लिए दर्शकों की तारीफ पाना अविश्वसनीय रूप से लाभप्रद है, और एक अभिनेत्री के लिए इससे अधिक संतुष्टिदायक कुछ नहीं है।

वंशज देखते रहिए, हर सोमवार से शनिवार शाम 7 बजे और रात 10 बजे सोनी सब पर!

## आदित्य रॉय कपूर संग देर रात घूमती दिखीं अनन्या पांडे

आदित्य रॉय और अनन्या पांडे की लव लाइफ के बारे में फैंस जानने के लिए बेकरार रहते हैं। दोनों की पहले से ही काफी चर्चाएं थीं, लेकिन कॉफी विद करण सीजन 8 में अनन्या पांडे के नजर आने के बाद से ही दोनों और सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल में ही अनन्या ने आदित्य रॉय कपूर संग अपने रिश्ते को स्विकार किया और इस पर मुहर लगा दी कि वो दोनों डेट कर रहे हैं। इसके ठीक बाद आदित्य रॉय को अनन्या पांडे ने उनके जन्मदिन पर विश भी किया था। अब दोनों का एक वीडियो सामने आया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

सामने आए वीडियो में आदित्य रॉय कपूर को आनन्या पांडे संग देर रात स्पॉट किया गया है। दोनों के बीच की केमिस्ट्री वीडियो में देखने को मिल रही है। वीडियो में दोनों ही हंसते-मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। गाड़ी में बैठकर दोनों कहीं जाते दिख रहे हैं। कैमरे कि नजरों में आते ही अनन्या पांडे शर्मा गईं और क्यूट फेस बनाने लगीं। अनन्या पांडे को शर्माता देखकर आदित्या रॉय कपूर भी हंस पड़े। वैसे रिलेशनशिप पर मुहर लगाने के बाद दोनों पहली बार साथ में स्पॉट किए गए हैं। ज्यादातर दोनों किसी भी इवेंट में अलग-अलग गाड़ियों में ही पहुंचते थे, लेकिन इस बार दोनों साथ ही दिखे।

**फैंस को अच्छी लग रही जोड़ी**

आदित्य रॉय और अनन्या पांडे को साथ में देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। फैंस का कहना है कि दोनों साथ में काफी क्यूट लगते हैं। कई फैंस को दोनों की जोड़ी बॉलीवुड की बेस्ट जोड़ी लग रही है। एक नेटिजेन ने दोनों को साथ में क्यूट बताया।

बता दें, आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे के डेट करने को लेकर बॉलीवुड के गलियारों में खबरें छाई हुई हैं। दोनों को अक्सर एक साथ डेट नाइट्स पर साथ वक्त बिताते देखा गया है। हाल में भी दोनों का एक रोमांटिक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अनन्या हाथों में हाथ डाले नजर आई थीं।

## वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

# गर्भवती महिला का शयन कक्ष वास्तु शास्त्र के अनुकूल रखें

गर्भवती महिला का शयनकक्ष हवादार होना चाहिए । कमरे के अंदर प्राकृतिक हवा और प्रकाश का आगमन होना चाहिए।

गर्भवती महिला के कमरे में बाल गोपाल की तस्वीर या मूर्ति रखना बेहद शुभ माना जाता है।

तस्वीर या मूर्ति को इस तरह लगाएं कि महिला को सुबह उठते ही तस्वीर के दर्शन हो।



ऐसा करने से भगवान की छवि बच्चे पर पड़ती है और वह उन्हीं की तरह आज्ञाकारी होता है।

ऐसी मान्यता है कि आप जिस चीज को बार बार देखते हैं आपके और बच्चे के कोमल मन में उसकी एक गहरी छाप बन जाती है ।

गर्भवती महिला जब दिन भर अपने पति के स्मरण में रहती है तो बच्चे का स्वभाव और चेहरा भी पति के समान हो जाता है ।

**सकारात्मक किताबें पढ़ें**

गर्भवती महिला के कमरे में आप रामायण या श्रीमद्भागवत पुराण भी रख सकते हैं।

साथ ही इनके रोज पढ़ने से इसका शुभ असर बच्चे पर पढ़ता है। वह बच्चा काफी संस्कारी भी होता है।

माना जाता है रोज यह ग्रंथ पढ़ने से बच्चे के अंदर इन आध्यात्मिक पुस्तकों का असर होना स्वाभाविक है ।

**ऐसे बच्चों की तस्वीर लगाएं**

स्वस्थ और मुस्कुराते बच्चों की तस्वीरें गर्भवती महिला के कमरे में लगाना अच्छा रहता है।

तस्वीर को इस दिशा में लगाएं जहां वह तस्वीर उन्हें बार-बार दिखे। माना जाता है, इससे बच्चा भी स्वस्थ और खुशमिजाज होता है।

**पति-पत्नी की ऐसी रखें तस्वीर**

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गर्भवती महिला के कमरे में पति-पत्नी की हंसती-मुस्कुराती तस्वीरें भी लगानी चाहिए।

इससे वह अपने माता-पिता के बेहद करीब रहता है। इससे गर्भवती महिला हमेशा सकारात्मक रहती है और होने वाला बच्चा भी स्वस्थ रहता है।

गर्भवती महिला के कमरे में कभी भी महाभारत, चाकू-छूरी, मायूसी वाली तस्वीरों को नहीं रखनी चाहिए, साथ ही उसके आसपास भी ये सब ना हों।

अगर आप चाहते हैं कि आपका आने वाला सन्तान बुद्धिमान और शांत स्वभाव का हो तो गर्भवती महिला को भी अपने मन को शांत करने का उपाय करना होगा ।

गर्भवती महिला को डॉ द्वारा सुझाये गए योग के अभ्यास को नियमित रूप से करना चाहिए।

**मन को स्वस्थ और सकारात्मक रखें**

इसके लिए आप किसी ध्यान के प्रशिक्षक के पास जाएं और दिन में कम से कम 30 मिनट ध्यान का अभ्यास करें ।

ध्यान के नियमित अभ्यास से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अंदर से होगा और इसका गहरा असर बच्चे के ऊपर पड़ता है ।

**डिजिटल डिटॉक्स**- वाट्सएप और फेसबुक से दूरी बनाकर भी आप इनके नकारात्मक प्रभाव से बच सकते हैं ।

24 घण्टे घर मे इंटरनेट कनेक्शन को चालू रखने से उसकी नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव आपके मन पर पड़ता है । इसलिए ज्यादातर समय इसे बंद रखें।

# उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ पर्व का समापन

**रायपुर/ बलौदाबाजार**

आस्था का पर्व छठ पूजा के चौथे दिन उदय होते सूर्य की पूजा कर अर्घ्य देने बड़ी संख्या व्रती महिला और पुरुष पहुंचे. तड़के तालाब में आकार सूर्य देव को अर्घ्य देकर संतान के स्वस्थ दीर्घायु जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए परिवार की खुशहाली के लिये भगवान सूर्य से प्रार्थना की. इसके साथ ही छठ महापर्व का समापन हो गया.चार दिनों तक चलने वाले व्रत का प्रारंभ खरना से प्रारंभ होता है और 36 घंटे का निर्जला व्रत रख अस्ताचल सूर्य की पूजा और उदयाचल सूर्य की पूजा कर व्रत पूरा किया जाता है. उत्तर भारत के इस प्रमुख त्योहार को आज पूरे विश्व में मनाया जाता है. जिसपर श्रद्धालुओं का कहना है कि छठी मइया हमारे परिवार की रक्षा करती है और हर संकट को दूर करती है.

# चिकित्सकों ने कहा- नंदकुमार बघेल को ब्रेन और स्पाइन की समस्या

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता बीमार हैं। उनका इलाज रायपुर के एक अस्पताल में जारी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हाल ही में पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान एक तस्वीर भी सोशल मीडिया एक्स अकाउंट पर शेयर की।

मुख्यमंत्री के पिता नंदकुमार बघेल (89) को ब्रेन और स्पाइन से सम्बंधित पुरानी बीमारी है। डायबिटीज की भी परेशानी है। रायपुर के श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस से मिली जानकारी के मुताबिक 21 अक्टूबर को तबीयत अधिक बिगडने की वजह से उन्हें अस्पताल लाया गया। जांच में पता चला कि दिमाग में खून का थक्का जमा था। उन्हें निमोनिया था और पूरे शरीर मे इन्फेक्शन फैला था, जिसे सेप्टिसिमिया कहते हैं, जिसकी वजह से नंद कुमार बघेल बिस्तर पर पड़ गए। इन्हे वेंटीलेटर की जरूरत पड़ी। अभी वे लगभग एक माह से बिस्तर में है, हालांकि उनकी बीमारी में इलाज के कारण अब थोड़ा सुधार आया है।

## दो दिन बाद तापमान में आएगी गिरावट

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज अब बदलने लगा है। तापमान में अब गिरावट दर्ज की जा रही है। वहीं दो दिन पहले तक जहां रात का तापमान 15 डिग्री के नीचे पहुंच रहा था तो वहीं अब ठंड में कमी आई है। मौसम विभाग का कहना है कि आज 20 नवंबर से तापमान में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

# बाबा तो अब मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे : केदार

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 होने के बाद परिणाम को लेकर राजनीतिक गलियारे में सियासत तेज है. राजनीतिक दल अपने-अपने जीत एक दावा कर रहे हैं. वहीं उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के अगले चुनाव नहीं लड़ने की बात पर भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने बयान दिया है. टीएस सिंहदेव के दुखी होने का समय जनता ने तय कर दिया है. इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस की समीक्षा बैठक पर भी तंज कसा है. टीएस सिंह देव के सीएम नहीं बना तो चुनाव लड़ने का कोई औचित्य नहीं के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि टीएस सिंहदेव के दुखी होने का समय जनता ने तय कर दिया है. कांग्रेस की सरकार को जड़ समेत मतदाता छग से उखाड़ के फेंक रहे हैं. बाबा तो मुख्यमंत्री अब बनेंगे नहीं, बाबा कांग्रेस के अच्छे नेता रहे हैं. हम चाहेंगे कि नेता प्रतिपक्ष बनकर हमारे साथ रहे. भाजपा की सरकार बन रही

हैं. अच्छा विपक्ष होगा तो काम करने मे आनंद आता हैं. कांग्रेस की समीक्षा बैठक पर केदार गुप्ता ने कहा कि हमलोग तो देख रहे की कांग्रेस में कितना अंतर्कलह है. पार्टी कई टुकड़ों में बट चुकी है. मुझे लगता है कांग्रेस की समीक्षा ही छग का एक्जिट पोल है. जो बता रहा कि कांग्रेसी को जनता ने ठुकरा दिया है. ये आपस में भी लड़ हैं. इनका सर्वनाश, सत्यानाश तय हैं. बीजेपी विपक्ष में हैं लेकिन आजतक कोई गंभीर शिकायत नहीं आई. कुछ शिकायत आई तो आपस में बैठ के सुलझा लेंगे. कांग्रेस में तो चुनाव के बाद अभी परिणाम नहीं आए हैं सिर फुटव्वल हैं. 50 सीटों पर महिला के अधिक वोट पर कांग्रेस के बयान पर केदार गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सबसे ज्यादा प्रताड़ित महिला और युवा रहे हैं. युवाओं को नग्न प्रदर्शन करना पड़ा, नारियों के साथ लगातार सामुहिक बलात्कार की घटनाये हुई. महिलाएं तनाव में थी, गुस्से में थी,शराबबंदी का वादा किया था वो भी पूरा नहीं किया. बीजेपी ने कहा नारियों का सम्मान करेंगे, 12 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग करेंगे. इसलिए नारियों ने बीजेपी को बढ़-चढ़ कर वोट किया है. बीजेपी की सरकार बनेगी ये बात तय हैं.

# धान कटाई शुरू, हार्वेस्टर के लिए मची मारामारी

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

आसमान पर बादल छाने के साथ ही अब किसान धान कटाई तेजी से कर रहे हैं। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में हार्वेस्टर के लिए मारामारी चल रही है। अभी तक चार लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। आज से धान खरीदी पुनः शुरू हो गई है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बादल छाने के साथ ही कीट प्रकोप की आशंका बढ़ गई है। चुनाव के बाद अब किसान कटाई में लग गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में धान कटाई का काम मशीनों से किया जा रहा है। धान कटाई के लिए हरियाणा तथा पंजाब से बड़ी संख्या में हार्वेस्टर आ चुके हैं। यह मशीन घंटों का काम मिनटों में कर देती है। छत्तीसगढ़ में भी अब यह मशीन कई लोगों ने खरीद ली है। इसका चार्ज प्रति घंटे की दर से लिया जाता है। राज्य में अब धान खरीदी आज से पुनः शुरू हो गई है। अभी तक चार लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। मार्कफेड के अनुसार चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी अब अपने-अपने कामों में लौट रहे हैं। राज्य में ढाई हजार से अधिक धान खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। अब जल्द पकने वाली फसलों की कटाई हो रही है। राज्य में 1.30 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। देवउठनी एकादशी के बाद धान की कटाई में तेजी आएगी। किसान नई सरकार का इंतजार कर रहे हैं।

# तीन लेयर सुरक्षा में स्ट्रांग रूम 32 कैमरों से ईवीएम की निगरानी

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दो चरण में 90 विधानसभा सीटों में मतदान पूरा हो चुका है। 90 सीटों में कुल 1,181 उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला तीन दिसंबर को होगा। शुक्रवार को हुए दूसरे चरण में मतदान के बाद अब ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया है।

सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रायपुर जिले की सातों विधानसभा सीटों के 123 प्रत्याशियों का भविष्य कैद हो चुके हैं। स्ट्रांग रूम स्थानीय पुलिस के साथ सीआरपीएफ और बीएसएफ के तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में 24 घंटे है। परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कमरों के बाहर पुलिस बल के साथ सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। इनकी पहरेदारी लगातार 16 दिनों तक चलेगी।

ईवीएम मशीनों को अलग-अलग कमरों में रखा गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में चूक न हो इसके लिए फोर्स के साथ सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पूरी बिल्डिंग की निगरानी की जा रही है। स्ट्रांग रूम के बाहर, सीढ़ियों और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर सीटीटीवी कैमरे की मदद से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पूरी बिल्डिंग में 32 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। स्ट्रांग रूम के अंदर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा। देर रात तक जारी रहा स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को रखने का सिलसिला शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान के बाद मतदान दल ईवीएम मशीनों के साथ लौटने लगे। सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को रखने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

# त्रिलोकी मां कालीबाड़ी में जगद्धात्री पूजा 21 को

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति डॉ. राजेंद्र नगर द्वारा 21 नवंबर को जगद्धात्री पूजा का आयोजन मंदिर परिसर में किया जा रहा है। कार्तिक माह शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन आंवला नवमी के साथ ही जगद्धात्री पूजा का महा पर्व शुरू होता हैं। हिन्दू धर्म में जगद्धात्री पूजा का नवरात्रि पूजा की तरह विशेष स्थान है। ये पूजा पश्चिम बंगाल और ओडिशा में खासकर की जाती है। त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति डॉ. राजेंद्र नगर के सचिव विवेक बर्धन ने बताया कि 21 नवंबर मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से पूजा प्रारंभ होगी। सुबह 10 बजे पुष्पांजलि के बाद 10.30 बजे भोग आरती का आयोजन किया गया है। सुबह 11 बजे अष्टमी पूजा, 12.30 बजे पुष्पांजलि और 1 बजे भोग आरती होगी। महानवमी पूजा दोपहर 1 बजे, 2.30 बजे पुष्पांजलि, अपरान्ह 3 बजे भोग आरती के पश्चात 3.30 बजे से हवन और फिर भोग वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 22 नवबंर को सुबह 8.30 बजे दशमी पूजा और 9 बजे दर्पण विसर्जन का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। पूजा के दौरान समिति के समस्त पदाधिकरीगण, सदस्य एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहेंगे। बर्धन ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि दुर्गा माता इस दिन धरती पर फिर से जगत की धात्री के तौर पर आती हैं। यह मान्यता है कि जगद्धात्री माता दुर्गा का ही एक अवतार है। यह तंत्र से उत्पन्न हुई है। यह मां काली और दुर्गा के साथ ही सत्व रूप में है। इन्हें राजस एवं तमस का प्रतीक माना जाता है। बर्धन के अनुसार यदि हम इसका इतिहास देखें तो सर्वप्रथम इस पूजा का प्रारंभ सन 1750 में पश्चिम बंगाल के चंदन नगर से हुआ था। इंद्रनारायण चौधरी ने सबसे पहले अपने घर में जगद्धात्री पूजा की थी। कहा जाता है कि इस त्योहार की शुरूआत रामकृष्ण मिशन के संस्थापक रामकृष्ण परमहंस की पत्नी शारदा देवी ने की थी।

शारदा देवी पुनर्जन्म में काफी विश्वास रखती थीं और उनका कहना था कि मां इस दिन फिर से धरती पर आकर दुष्टों का नाश कर के खुशियां देने आती है। धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल सहित बिहार, उड़ीसा सहित अन्य राज्यों में भी यह पूजा की जाने लगी। छत्तीसगढ़ में भी बंगाली समुदाय द्वारा अब जगद्धात्री पूजा की जाने लगी है।

# देवउठनी के साथ मांगलिक कार्यक्रम हो जाएंगे शुरू

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

23 नवंबर गुरूवार को देवउठनी एकादशी जिसे छोटी दीपावली भी कहते हैं। इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु अपनी योगनिद्रा से जाग जाएंगे। इसके साथ ही शुभ और मांगलिक कार्यक्रम फिर से शुरू हो जाएंगे। अंचल में इसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। देवशयनी एकादशी 29 जून 2023 को थी। उसके बाद से शहनाईयों की गूंज बंद हो गई थी जो अभी तक जारी है। विवाह वाले एवं शुभ कार्य करने वाले परिवारों का इंतजार अब खत्म होने वाला है क्योंकि देवउठनी एकादशी के साथ ही वैवाहिक मुहूर्त शुरू हो जाएंगे और शहनाइयां बनजे लगेंगी। हालांकि इस वर्ष नवंबर में शादी के मात्र 5 मुहूर्त है और दिसंबर में 7 है। इस साल 12 दिन मुहूर्त बचे है जिसमें अधिकांश दिनों बड़ी संख्या में शादियॉ होगी। इसकी हलचल शुरू हो गई है हर वर्ष कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी मनाई जाती है। इस वर्ष गुरूवार 23 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 22 नवंबर को देर रात 11 बजकर 03 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 23 नवंबर को 09 बजकर 01 मिनट पर समाप्त होगी। इसके अगले 24 नवंबर को तुलसी विवाह है। इस दिन से विवाह का लग्न शुरू हो जाता है। बता दे कि नवंबर माह में 23, 24, 27, 28 और 29 को शादी के लिए शुभ मुहूर्त है। इसके अलावा दिसंबर में 5, 6, 7, 8, 9, 11 और 15 को शुरू मुहूर्त है। इस दौरान बाजारों में जमकर खरीददारी होने की उम्मीद व्यापारी जता रहे है। बता दे कि नवंबर माह में देवउठनी एकादशी के बाद विवाह के लिए 4 शुभ मुहूर्त है। वही दिसंबर माह की बात करें तो 7 वैवाहिक इस महीन में है।

# टेबल टेनिस प्रतियोगिता के विजेता बने ऋषभ-चहक तथा श्रेष्ठ-लावण्या

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

राजधानी टेबल टेनिस संघ जिला रायपुर द्वारा केडिया स्टील कारपोरेशन के सहयोग से 18 से 19 नवंबर तक सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में आयोजित स्व. प्रदीप केडिया स्मृति- पांचवीं रायपुर जिला मंथली लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2023÷ संपन्न हुयी। प्रतियोगिता के सम्बन्ध में राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े ने जानकारी दी कि सीनियर पुरुष एकल वर्ग में ऋषभ नागवानी, सीनियर महिला एकल वर्ग में चहक कटारिया, कैडेट (ह्रष्ठश्चक्र13) बालक एकल वर्ग में श्रेष्ठ मिश्रा तथा कैडेट (ह्रष्ठश्चक्र13) बालिका एकल वर्ग में लावण्या पांडे विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी थे। मंच पर राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े, अंतरराष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे एवं मुख्य निर्णायक पी.एन. मजुमदार उपस्थित थे।

**प्रतियोगिता के सभी वर्गों के अंतिम परिणाम निम्नानुसार है** :-सीनियर पुरुष वर्ग = विजेता- ऋषभ नागवानी, उपविजेता- शिवम सिंह 2-0, तृतीय - सिद्धा धुपड़। (उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त कल्पेश जादवानी, मुज्तबा रजा, सुरेश सादीजा, शैलेश डागा, सयोन परमानिक ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया ) सीनियर महिला वर्ग = विजेता- चहक कटारिया, उपविजेता- समाया पांडे 2-0, तृतीय - आहना सिंह। (उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त आरना खोटेले, हरीतिमा अग्रवाल, वेन्या संगोड़े, लावण्या पांडे, आन्या काला ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया ) कैडेट (अंडर -13) बालक वर्ग = विजेता- श्रेष्ठ मिश्रा, उपविजेता - कवीश काला 2-0, तृतीय - तेजस जादवानी। (उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त आर्यन सिंह, विहान अग्रवाल, विवान बैसवाड़े, आर्यवीर अग्रवाल, अभिनव पीटर ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया ) कैडेट (अंडर -13) बालिका वर्ग = विजेता- लावण्या पाण्डे, उपविजेता - समाया पांडे 2-0, तृतीय - वेदी कच्छवाहा।(उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त आरणा सिंह ठाकुर, निया मोजरकर ने क्रमशः चौथा एवं पांचवां स्थान प्राप्त किया ) प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक पी.एन. मजुमदार एवं सहायक निर्णायक अरुण बावरिया, अजीत बेनर्जी थे। इस अवसर पर कु. जया साहू, जतिन काला, परिवेश मिश्रा, राजेश सिंह, प्रियंक पांडे, एन.आई.एस. कोच मिराज, एन.आई.एस. कोच अशफाक, श्रीमती इंसी पांडे एवं अन्य सदस्य, खिलाड़ी, प्रशिक्षक व पालक उपस्थित थे।

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में
जी.एस.टी. रिटर्न | FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल | MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिगनेचर
सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

# बृजमोहन ने महापर्व छठ की शुभकामनाएं दी

**रायपुर » दैनन्दिनी.**

लोक आस्था का महापर्व छठ रायपुर में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने समस्त प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की बधाईयां व शुभकामनाएं दी। रायपुर में विभिन्न स्थानों पर खारुन नदी और पोखरों पर श्रद्धालु अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। बृजमोहन अग्रवाल महादेव घाट पर खारुन नदी के तट भक्तों के बीच पहुंचे। और महापर्व के साक्षी बने। कार्यक्रम का आयोजन छठ महापर्व आयोजन सीमित ने किया था। बृजमोहन अग्रवाल ने सभी प्रदेशवासी को महापर्व की बधाई दी। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वो कामना करते हैं की भगवान सूर्य और छठ मैया सभी प्रदेशवासियों को सुख, समृद्धि, सौभाग्य और संपन्नता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि, छठ का महापर्व में उदय और अस्त होते सूर्य की पूजा की जाती है। जो जिंदगी के उतर चढ़ाव के संकेत है। और हम सभी को जिंदगी के उतर-चढ़ाव , सुख-दुख से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। हमें पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना है। छठ मैय्या सभी के जीवन में उजाला लाएंगी। बृजमोहन अग्रवाल ने माताओं, बहनों को अखंड सौभाग्यवती और बच्चों को लंबी स्वास्थ्य आयु का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सांसद सुनील सोनी, महापौर ऐजाज ढेबर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। गायक दिलीप षड़ंगी ने अपने गीतों से समा बांधा। बृजमोहन अग्रवाल भैय्या तालाब प्रोफेसर कॉलोनी, खो खो तालाब, पुरानी बस्ती, हल्का तालाब मठपुरैना, व्यास तालाब बीरगांव में आयोजित कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। छठ पूजा के तीसरे दिन को संध्या अर्घ्य के रूप में मनाया जाता है। यह छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन परिवार के सभी सदस्य नदी किनारे जाकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। सनातन धर्म में छठ पूजा का खास महत्व है। शुक्रवार, 17 नवंबर से शुरू हुए छठ पर्व का सोमवार सुबह उर्धगामी अर्घ्य के साथ समापन होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com